सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 187 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 13 अगस्त, 2026

मूल्य ₹ 3/-

शिखर तक पहुंचने के लिए ताकत चाहिए होती है, चाहे वो माउन्ट एवरेस्ट का शिखर हो या आपके पेशे का।
डॉ. अब्दुल कलाम

भारत-अफगान में सितंबर में होगी 3 मैचों... 7 | पंचायत-निकाय चुनावों से बयान... 3 | सड़क के लिए सड़क पर उतर... 2

खरगे से इतनी नफरत? हवन की आग से सियासत

सदन में फूटा खरगे का गुस्सा बीजेपी आरएसएस पर आरोप

» खरगे की रैली के बाद शुद्धिकरण विवाद पर कांग्रेस का भाजपा-आरएसएस पर निशाना

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के बाद हुए शुद्धिकरण हवन ने देश की राजनीति में आग लगा दी है। कांग्रेस सपा को बैठे बिठाए बड़ा मुद्दा मिल गया है तो बीजेपी ने इस पूरे कांड से दूरी बना कर जांच की बात कही है। कुल मिलाकर जाति धर्म और सामाजिक बराबरी की बहस के बीच एक बार फिर पूरे देश में सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस ने इसे दलित नेता के अपमान और जातिगत मानसिकता से जोड़ा है।

खरगे बोले तो वह लोकतंत्र का मंच था लेकिन खरगे के जाते ही वही मंच अशुद्ध कैसे हो गया हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के दो दिन बाद हुए शुद्धिकरण हवन ने देश की राजनीति में ऐसा सवाल खड़ा कर दिया है जिसका जवाब सिर्फ भाजपा या कांग्रेस से नहीं बल्कि पूरे समाज से मांगा जाना चाहिए। सवाल यह नहीं कि हवन में कितना घी डाला गया और गंगाजल कितना छिड़का गया सवाल यह है कि आखिर किस चीज को अशुद्ध माना गया। एक राजनीतिक कार्यक्रम को? एक नेता के भाषण को? या उस नेता की सामाजिक पहचान को? कांग्रेस इसे दलित विरोधी मानसिकता का प्रतीक बता रही है जबकि भाजपा ने आयोजन से अपना पल्ला झाड़ लिया है। लेकिन विवाद यहीं खत्म नहीं होता। क्योंकि जिस देश के संविधान ने छुआछूत को अपराध घोषित कर बराबरी का अधिकार दिया उसी देश में अगर किसी नेता की सभा के बाद मंच को शुद्ध करने की जरूरत महसूस की जाती है तो यह सिर्फ हल्द्वानी के एक मैदान की कहानी नहीं रह जाती। यह उस मानसिकता पर बहस बन जाती है जो 21वीं सदी के भारत में भी किसी इंसान की मौजूदगी को पवित्रता और अपवित्रता के तराजू पर तौलने की कोशिश करती है।

बीजेपी के सामने दोहरी चुनौती

इस विवाद ने भाजपा के सामने असहज स्थिति पैदा कर दी है। बीजेपी की पहली चुनौती है घटना से अपना संबंध स्पष्ट करना दूसरी चुनौती है अगर पार्टी इस घटना से असहमत है तो यह साफ करना कि क्या वह इसे सामाजिक रूप से भी गलत मानती है और क्या किसी स्तर पर कार्रवाई या जांच होगी। क्योंकि राजनीति में सिर्फ यह कहना कि हमारा इससे कोई लेना देना नहीं हमेशा पर्याप्त नहीं होता। खासकर तब जब विवाद किसी संवेदनशील सामाजिक मुद्दे से जुड़ जाए। जेपी नड्डा की ओर से ऐसे किसी कृत्य का समर्थन न करने और जांच की बात सामने आना इसी दबाव का संकेत माना जा सकता है।

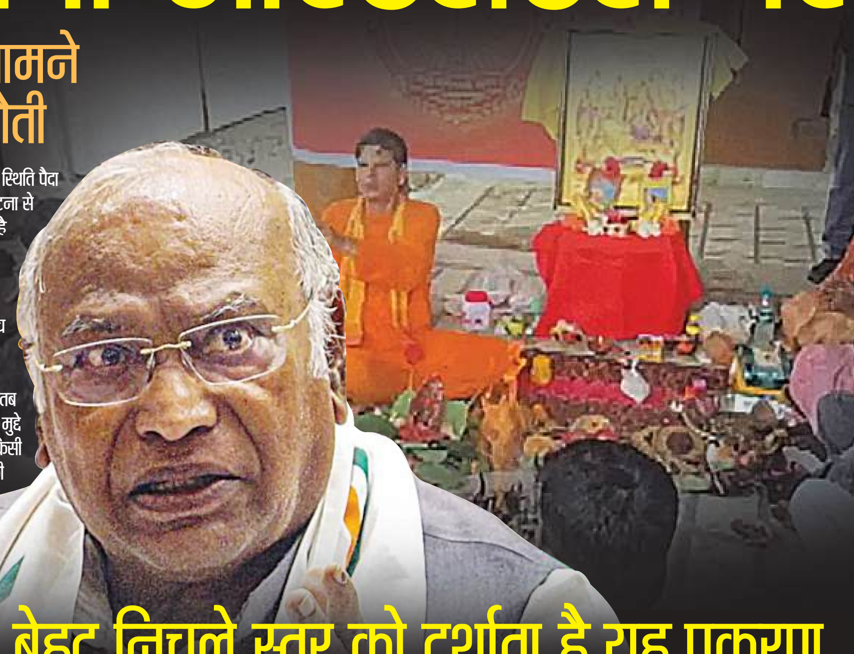

सड़क से सदन में मामला पहुंचा

यह पूरा प्रकरण अब संसद तक पहुंच चुका है खड़गे ने राज्यसभा में इसे अपना अपमान बताते हुए सवाल उठाया है। यानी हल्द्वानी का हवन अब सिर्फ धुआं नहीं छोड़ रहा बल्कि? उसकी राख से भारतीय राजनीति का सबसे पुराना और सबसे असहज सवाल फिर उठ खड़ा हुआ है। भारतीय धार्मिक परंपराओं में शुद्धि या शुद्धिकरण के अनेक संदर्भ मिलते हैं। कई धार्मिक परिस्थितियों में गंगाजल, हवन और अन्य कर्मकांड सामान्य धार्मिक आस्था का हिस्सा हैं। इसलिए केवल शुद्धिकरण शब्द अपने आप में किसी व्यक्ति के अपमान का प्रमाण नहीं है। लेकिन राजनीति में संदर्भ अर्थ बदल देता है। अगर किसी धार्मिक स्थल में किसी परंपरा के तहत शुद्धिकरण हो तो उसका अर्थ अलग होगा। अगर किसी राजनीतिक सभा के बाद उसी सभा स्थल पर शुद्धिकरण किया जाए और आयोजक इसे उस सभा में हुई किसी गतिविधि से जोड़ें तो उसका राजनीतिक अर्थ अलग बन सकता है। और अगर उस राजनीतिक सभा में देश का एक प्रमुख दलित नेता मौजूद रहा हो तो जातिगत सवाल अपने आप चर्चा में आ जाता है। इसीलिए कांग्रेस ने इस घटना को हाथों हाथ लिया।

राजनीति के बेहद निचले स्तर को दर्शाता है यह प्रकरण

कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने इस घटना को बेहद गलत और निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि अगर खरगे जैसे दलित नेता किसी बैठक या राजनीतिक कार्यक्रम को संबोधित करते हैं और उसके बाद शुद्धिकरण की रस्म की जाती है, तो यह राजनीति के बेहद निचले स्तर को दर्शाता है। उन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से इस मामले पर स्पष्ट बयान देने की मांग की। कांग्रेस सांसद अमन सिंह ने आरोप लगाया कि आरएसएस और भाजपा की सोच समाज में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति और ओबीसी वर्गों की भागीदारी को स्वीकार नहीं करने वाली है। वहीं इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि खड़गे देश के बड़े दलित नेताओं में हैं और लंबे संसदीय जीवन में उन्होंने देश की सेवा की है। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और प्रधानमंत्री से सवाल किया कि खड़गे के कार्यक्रम के बाद शुद्धिकरण क्यों किया गया।

चुनावी उत्तराखंड में जाति का सवाल

इस पूरे विवाद को उत्तराखंड की राजनीति के संदर्भ में भी देखना होगा। राज्य की राजनीति में धर्म पहचान क्षेत्रीय अस्मिता और सामाजिक समीकरण पहले से महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। अब शुद्धिकरण विवाद ने उसमें जाति और सामाजिक बराबरी की नई परत जोड़ दी है। कांग्रेस के लिए यह मौका है कि वह भाजपा पर दलित और पिछड़े वर्गों के सवाल पर घेरा कसने की कोशिश करे। भाजपा के लिए चुनौती यह है कि वह इस विवाद को कांग्रेस के राजनीतिक हथियार में बदलने से रोके। और इस पूरी लड़ाई के बीच उत्तराखंड सरकार को जवाब देना होगा कि उसकी नजर में इस घटना की प्रकृति क्या है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बयान की मांग सिर्फ औपचारिक राजनीतिक मांग नहीं रह गई है। भाजपा समर्थक इसे कांग्रेस की राजनीतिक रणनीति कह सकते हैं। कांग्रेस इसे दलित सम्मान का सवाल बता सकती है। लेकिन इन दोनों राजनीतिक दावों के बीच एक बड़ा सामाजिक प्रश्न खड़ा है। भारत ने संविधान के जरिए समानता को अपना मूल मूल्य स्वीकार किया। छुआछूत के खिलाफ संवैधानिक व्यवस्था बनाई गई। राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक न्याय की पूरी बहस इसी विचार के आसपास विकसित हुई कि किसी इंसान की गरिमा उसके जन्म से तय नहीं हो सकती। ऐसे में जब किसी दलित नेता के राजनीतिक कार्यक्रम के बाद शुद्धिकरण की खबर आती है तो समाज में बेचैनी होना स्वाभाविक है।

सड़क के लिए सड़क पर उतर रहे हैं बच्चे: अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- भाजपा के शब्दकोश में जवाबदेही शब्द नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार व भाजपा पर फिर एकबार करारा वा यिा है। सपा प्रमुख ने कहा कि इस सरकार में जवाबदेही नाम का शब्द नहीं है। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के शब्दकोश में जवाबदेही शब्द ही नहीं है। प्रदेश के हमीरपुर में एक सड़क बनने को लेकर जब वर्षो से कोई सुनवाई नहीं हुई तो स्कूली बच्चों को जिलाधिकारी के कार्यालय पर प्रदर्शन करना पड़ा। इन बच्चों ने दिखा दिया कि भाजपा का अहंकारी शासन-प्रशासन अगर जनता तक नहीं पहुंचेगा तो जनता उन तक पहुंच जाएगी।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि भाजपा नेता एकतंत्र बनाना चाहते हैं, वो अब और नहीं चलेगा। जन-प्रतिनिधि हो या लोक सेवक, अब सबको ये समझना ही होगा कि लोकतंत्र नीचे-से-ऊपर की ओर जाता है। अब हमारा यही समाजवादी मूल्य सबको अपनाना ही होगा कि समाज के लिए सत्ता है। इसके अलावा अखिलेश ने दिल्ली में संसद में मीडिया से बात करते हुए कहा कि जहां-जहां भाजपा सरकार है, वहां बड़ा भ्रष्टाचार है। भाजपा सरकार में जितने भी काम हुए, उसमें कमीशनखोरी और बजट की लूट हुई। जेवर एयरपोर्ट पर पानी भर गया। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे पर गड्ढे बन गए। जल जीवन मिशन में पानी की टंकियां गिर गईं। अयोध्या राममंदिर में चढ़ावा चोरी हो गया। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। इतना सब कुछ हो रहा है लेकिन किसी की कोई जवाबदेही नहीं है।

अखिलेश यादव ने एफसीआरए बिल को लेकर कहा कि पूरा विपक्ष एफसीआरए बिल के खिलाफ है। इस सरकार का हर बिल अल्पसंख्यकों के खिलाफ होता है।

संसद में जवाब के लिए समय-सीमा तय करना अलोकतांत्रिक

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि संसद में जवाब देने के लिए सरकार जो समय-सीमा तय करना चाहती है, वो स्वयं में अलोकतांत्रिक है। दरअसल ये जवाब नहीं होगा, थोथा बयान होगा। सच तो ये है कि भाजपा चाह ही नहीं रही है कि कोई जवाब दिया जाए। वो तो सत्र के समापन के लिए उतावली है। ये कोई जिज्ञासा के सतही समाधान की औपचारिकता नहीं है, बल्कि भगवान और इंसान दोनों के साथ दुर्व्यवहार व दुर्भावना का बेहद गंभीर मुद्दा है। देश भाषण सुनने के मूड में नहीं है।

देश भाषण सुनने के मूड में नहीं

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है जिसमें उन्होंने 13 अगस्त को 3 बजे बयान देने की बात कही है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि देश भाषण सुनने के मूड में नहीं है। कन्नौज सांसद ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि संसद में जवाब देने के लिए सरकार जो समय-सीमा तय करना चाहती है, वो स्वयं में अलोकतांत्रिक है. दरअसल ये जवाब नहीं होगा, थोथा बयान होगा. सच तो ये है कि भाजपा चाह ही नहीं रही है कि कोई जवाब दिया जाए वो तो सत्र का समापन करने के लिए उतावली है।

भाजपा सरकार ने दस वर्षों में पूरे सिस्टम को भ्रष्ट बना दिया है: डिंपल

समाजवादी पार्टी की मैनपुरी से सांसद डिम्पल यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने दस वर्षो में पूरे सिस्टम को भ्रष्ट बना दिया है। शिक्षा-परीक्षा, निर्माण कार्यों से लेकर हर जगह भ्रष्टाचार का बोलबाला है। परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे है। प्राइमरी स्कूल बंद हो रहे है। शिक्षा-स्वास्थ्य में निजीकरण तेजी से बढ़ रहा है। निर्माण कार्यों में बजट की लूट हो रही है। कमीशनखोरी चरम पर है। बुधवार को संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए श्रीमती डिम्पल यादव ने कहा कि अभी नये बने जेवर एयरपोर्ट पर पानी भर गया है। हाल ही में बने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे पर जगह-जगह गड्ढे बन गये हैं। उद्घाटन के बाद ही सड़क टूट गयी है। भाजपा सरकार में कोई भी काम मानक के अनुसार नहीं हो रहा है। हर काम में भारी भ्रष्टाचार है। भाजपा सरकार ने विश्वविद्यालयों और विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। विश्वविद्यालयों में आरएसएस के लोगों को वाइस चांसलर बनाकर बैठा दिया है। सरकार जनता के सवालों का सामना नहीं कर पा रही है। भाजपा के लोग सनातन की बात करते थे। परन्तु इन्होंने आस्था में चोरी कर लिया। अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर से चढ़ावा चोरी हो गया।

एफसीआरए बिल जल्दबाजी में जेपीसी भेजा गया: मायावती

बसपा प्रमुख बोलीं- सभी के मिली भगत से राजनीतिकरण किया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि कांग्रेस व इसके सहयोगी दल और सत्ता पक्ष ने मिलकर एफसीआरए बिल का राजनीतिकरण कर दिया है जिसके कारण इस बिल को जल्दबाजी में जेपीसी भेजा गया है। उन्होंने कहा कि संसद न चलने से सरकार कई महत्वपूर्ण बिल बिना बहस के ही पास करा ले रही है। ये सत्ता पक्ष और विपक्ष की मिलीभगत लगती है।

उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि जैसाकि सर्वविदित है कि एफसीआरए संशोधन बिल जिसे सरकार अति-महत्वपूर्ण बताकर अन्य विधेयकों की तरह ही इसे तुरन्त पास कराना चाहती थी, किन्तु विपक्ष के जबरदस्त विरोध के चलते व संसद में इस पर बिना प्रारम्भिक चर्चा के ही इसे कल काफी आपाधापी में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिया गया है। वैसे इस एफसीआरए संशोधन बिल को कांग्रेस पार्टी व इनके सहयोगी दल सीधे तौर पर अल्पसंख्यक विरोधी बताकर इस बिल को वापस लेने की मांग कर रहे हैं, जबकि सरकार इसे विदेश फंडिंग के उपयोग में कथित भ्रष्टाचार से जोड़कर इसमें कठोर बदलाव करना चाहती है। इससे स्पष्ट है कि इस बिल का सत्ता व विपक्ष दोनों ने ही राजनीतिकरण ज्यादा कर दिया है। बेहतर होता यदि विपक्ष कल इस विधेयक को रखने के दौरान संसद को चलने देता और इसकी कमियों को उजागर करता तो उसे पूरा देश जानता, लेकिन इन्होंने संसद को ही अपनी जिद के हिसाब से नहीं चलने दिया। इतना ही नहीं बल्कि ऐसे अनेकों और बिल भी विपक्ष द्वारा संसद को नहीं चलने देने की वजह से सरकार ने उन्हें मिनटों में पास करा दिये हैं, जिन्हें इनको रोकना चाहिये था, जो विपक्ष ने ऐसा नहीं किया, जिसका सरकार अपने पक्ष में पूरा फायदा उठा रही है। इससे विपक्ष की या तो अन्दरूनी मिलीभगत लगती है या फिर जेन-जी के वोटों के स्वार्थ में इन्हें देश के अन्य मुद्दे बिल्कुल भी नजर नहीं आ रहे हैं। हालांकि वर्तमान हालात में जेनजी की समस्याओं के मुद्दे को प्राथमिकता देते हुये इनको जनहित के अन्य मुद्दों को भी महत्व देना चाहिये था। इसके साथ ही, इनको अयोध्या में राममन्दिर के चढ़ावे में गड़बड़ी का अर्थात इसके भ्रष्टाचार का मुद्दा भी संसद में उठाना चाहिये था, जिसे भी अब विपक्ष ने अपने राजनैतिक स्वार्थ में पीछे कर दिया है, जबकि इस पर संसद में चर्चा होना बहुत जरूरी है। ऐसे में देश की जनता, सत्ता व विपक्ष के बीच इस समय संसद सत्र के दौरान भी चल रही उनके अपने-अपने राजनैतिक स्वार्थ की लड़ाई से पूरी तरह से सचेत रहते हुये अपनी एकमात्र अम्बेडकरवादी बहुजन समाज पार्टी, जो 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' की नीतियों व सिद्धान्तों के आधार पर पूरी ईमानदारी व निष्ठा से चल रही है, उससे देश व आम-जनहित में जुड़ें, यही समय की मांग व सर्वसमाज के हित में भी है।

आपराधिक चरित्र से बिहार में नहीं रुकेगा अपराध: प्रशांत किशोर

» जन सुराज के संस्थापक ने सीएम सम्राट चौधरी पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर आपराधिक चरित्र रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके शासन में राज्य में अपराध और समाज पर चर्चा करना ''बेमानी'' है। राज्य में कथित रूप से बढ़ती आपराधिक घटनाओं के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में किशोर ने पत्रकारों से कहा, जब तक सम्राट चौधरी जैसे लोग बिहार के मुख्यमंत्री बने रहेंगे, तब तक यहां अपराध और समाज पर चर्चा करना बेमानी है।

अगर शीर्ष पद पर बैठा व्यक्ति आपराधिक चरित्र का हो तो अपराध कैसे रुकने की उम्मीद की जा सकती है? उन्होंने कहा कि जनता को यह देखना होगा कि यदि वह गलत व्यक्ति को सत्ता में बैठाती है तो परिणाम भी अपेक्षित नहीं होगा। बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र के दस हजार युवाओं को निजी क्षेत्र में नौकरी दिलाने की अपनी घोषणा पर उठ रहे सवालों को खारिज करते हुए किशोर ने कहा कि अपना दावा पूरा करना ही उसका जवाब होगा। जन सुराज के संस्थापक ने मंगलवार को घोषणा की थी कि वह अगले दो वर्षों में अपने विधानसभा क्षेत्र के कम से कम दस हजार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार दिलाएंगे। बांकीपुर के विधायक किशोर ने कहा, मेरे विरोधियों को बांकीपुर में नौकरी देने के मेरे दावे की चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्हें इस बात की चिंता करनी चाहिए कि जब उनके विधानसभा क्षेत्रों के लोग बांकीपुर की तर्ज पर नौकरी की मांग करने लगेंगे तो वे क्या जवाब देंगे। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि इस विधानसभा क्षेत्र के युवाओं को नौकरी दी जाएगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

राम मंदिर में सीईओ नहीं धर्माचार्य की हो नियुक्ति: अजय राय

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, सरकार को राम मंदिर को कमाई का माध्यम नहीं बनाना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बगोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र के हैदरगंज में कार्यकर्ता सम्मेलन व जनसभा को संबोधित करने अयोध्या पहुंचे। एयरपोर्ट पर बातचीत में उन्होंने कहा कि सरकार को राम मंदिर को कमाई का माध्यम नहीं बनाना चाहिए और चढ़ावे की व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी रखनी चाहिए। कहा कि पैसे गिनने वाले जेल गए, लेकिन गिनवाने वाले अब तक क्यों नहीं गए।

उन्होंने नृपेंद्र मिश्रा, चंपत राय, अनिल मिश्रा, गोविंद देवगिरी और गोपाल राव के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। आरोप लगाया कि राम मंदिर का सारा पैसा आरएसएस के खाते में गया है। वहीं हैदरगंज बाजार में

आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने केंद्र और प्रदेश सरकारों पर गंभीर आरोप लगाए। अजय राय ने राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी और भ्रष्टाचार का दावा किया। कहा कि बड़े चोरों को बचाकर छोटे कर्मचारियों को फंसाया गया है। इससे पूर्व

विस चुनाव में बनेगा मुख्य मुद्दा

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 27 के विधानसभा चुनाव में राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी का मुद्दा प्रमुख चुनावी मुद्दा रहेगा। कानून-व्यवस्था, बेरोजगारी, महंगाई और युवाओं के भविष्य को भी चुनावी मुद्दा बताया। छात्रों पर लाठीचार्ज का जिक्र करते हुए उन्होंने सरकार पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया।

सम्मेलन में संयोजक अशोक कुमार सिंह ने कहा कि समस्त देशवासियों की निगाहें नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर टिकी हैं। जिला अध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने सम्मेलन की अध्यक्षता की, जबकि पूर्व जिला अध्यक्ष रामदास वर्मा ने संचालन किया।

पंचायत-निकाय चुनाव: बयान से घमासान

सता पक्ष व विपक्ष के तेवरों से गूंजा राजस्थान

» बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के भेड़चाल पर सियासी बवाल

» बाप सांसद राजकुमार रोत बोले- बेनकाब हुई भाजपा की सोच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में निकाय चुनाव होने हैं। उससे पहले विपक्ष का सत्ता पक्ष पर हमला जारी है। विपक्षी दल कांग्रेस, बाप, आप अन्य कोई भी हो वह भाजपा को घेरने को कोई भी मौका नहीं छोड़ना नहीं चाहता है। इसी क्रम में विश्व आदिवासी दिवस पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की 'भेड़चाल' टिप्पणी से राजस्थान में सियासी विवाद गहरा गया है। भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत ने इसे आदिवासी समाज और युवाओं का अपमान बताते हुए बीजेपी पर सवाल उठाए।

आगामी पंचायत-निकाय चुनावों में यह मुद्दा राजनीतिक रंग ले सकता है। विश्व आदिवासी दिवस पर बीजेपी नेताओं की बयानबाजी से राजस्थान में नया सियासी विवाद खड़ा हो होता नजर आ रहा है। एक तरफ सरकार के कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा खुद आदिवासी दिवस मनाते नजर आए लेकिन अपनी ही पार्टी में इस मुद्दे को लेकर वे अलग-थलग भी पड़ गए। बीजेपी ने न सिर्फ इस तरह के आयोजनों से खुद को दूर रखा बल्कि बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने तो आदिवासी दिवस को भेड़चाल ही बता डाला।

मदन राठौड़ पर चौतरफा वार

विश्व आदिवासी दिवस के कार्यक्रमों और इसे लेकर सोशल मीडिया पर चल रही गतिविधियों के संदर्भ में मदन राठौड़ की 'भेड़चाल' वाली टिप्पणी अब राजनीतिक मुद्दा बन गई है। भारत आदिवासी पार्टी ने कहा कि आदिवासी युवा अपने अधिकारों, सम्मान और पहचान को लेकर पहले से ज्यादा जागरूक हैं और ऐसे में उनकी गतिविधियों को इस तरह परिभाषित करना उचित नहीं है।

पंचायत-निकाय चुनावों में बन सकता है मुद्दा

बीजेपी की तरफ से दिया यह बयान पंचायत-निकाय चुनावों का मुद्दा भी बन सकता है। रोत ने इस बात के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी युवा अब राजनीतिक दलों की कथनी और करनी के अंतर को समझ रहे हैं। पार्टी के मुताबिक युवा अपने अधिकार, सम्मान और अस्तित्व को लेकर सजग हैं और आने वाले समय में लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब देंगे।

यही भाजपा-आरएसएस की असली सोच : राजकुमार रोत

बीएपी सांसद राजकुमार रोत ने कहा कि बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ द्वारा विश्व आदिवासी दिवस मनाने वाले जागरूक आदिवासी युवाओं के लिए 'भेड़चाल चलने वाले' जैसे अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करना भी अत्यंत निंदनीय है। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी समाज को शुभकामनाएं तक नहीं देना भी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। इस बार विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर भाजपा सरकार का जो भेदभावपूर्ण रवैया देखने को मिला है, उससे आदिवासी समाज के प्रति भाजपा-आरएसएस की सोच का असली चेहरा देश के सम्पूर्ण आदिवासी समाज के सामने बेनकाब हो गया है। अब आदिवासी युवा आपकी कथनी और करनी के अंतर को भली-भांति समझ चुका है। जागरूक आदिवासी युवा अपने अधिकारों, सम्मान और अस्तित्व के प्रति सजग है और आने वाले समय में लोकतांत्रिक तरीके से इसका उचित जवाब जरूर देगा। रोत ने कहा कि यदि विश्व आदिवासी दिवस का संबंध भारत से नहीं है तो विश्व योग दिवस का भी भारत से संबंध नहीं होना चाहिए यह भी तो संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित किए हैं।

ट्राइबल बेल्ट पर सबसे ज्यादा असर रखती है भारत आदिवासी पार्टी

अब इस मुद्दे पर राजस्थान की ट्राइबल बेल्ट पर सबसे ज्यादा असर रखने वाली भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) भड़क गई है। बीएपी सांसद राजकुमार रोत ने मदन राठौड़ की आदिवासी दिवस पर की गई टिप्पणी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की टिप्पणी से आदिवासी समाज और विशेष रूप से युवाओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

पंजाब की राजनीति में बढ़ी हलचल

जगतार हवारा को पैरोल की सिफारिश

» आप ने चलाया चुनावी बाण, क्या होगा असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। पंजाब में विस चुनाव की बिसात बिछती नजर आने लगी है। पंजाब की राजनीति में 27 के विधानसभा चुनाव से पहले पंथक मुद्दे एक बार फिर केंद्र में आते दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रहे जगतार सिंह हवारा को अपनी बीमार मां से मिलने के लिए 10 दिन की पैरोल देने की सिफारिश ने सियासी हलकों में नई बहस छेड़ दी है।

जगतार हवारा पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह की हत्या के मामले में दोषी है। इसी केस में वो फिलहाल सजा काट रहा है। पूर्व सीएम की पंजाब सचिवालय के बाहर 31 अगस्त 1995 को हत्या कर दी गई थी। हवारा की पत्नी की मौत हो चुकी है और उसकी मां अमेरिका में रहती है जो कोमा में है। मान ने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को पत्र लिखकर हवारा की मां की बिगड़ती सेहत का हवाला देते हुए मानवीय आधार पर पैरोल पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आग्रह किया है।

आप ने चलाया चुनावी बाण क्या होगा असर

जालंधर। पंजाब में विस चुनाव की बिसात बिछती नजर आने लगी है। पंजाब की राजनीति में 27 के विधानसभा चुनाव से पहले पंथक मुद्दे एक बार फिर केंद्र में आते दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रहे जगतार सिंह हवारा को अपनी बीमार मां से मिलने के लिए 10 दिन की पैरोल देने की सिफारिश ने सियासी हलकों में नई बहस छेड़ दी है। जगतार हवारा पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह की हत्या के मामले में दोषी है। इसी केस में वो फिलहाल सजा काट रहा है। पूर्व सीएम की पंजाब सचिवालय के बाहर 31 अगस्त 1995 को हत्या कर दी गई थी। हवारा की पत्नी की मौत हो चुकी है और उसकी मां अमेरिका में रहती है जो कोमा में है। मान ने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को पत्र लिखकर हवारा की मां की बिगड़ती सेहत का हवाला देते हुए मानवीय आधार पर पैरोल पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आग्रह किया है।

अकाली दल असहज

मान के पत्र ने सबसे ज्यादा असहज स्थिति शिरोमणि अकाली दल के सामने पैदा कर दी है। बंदी सिंहों की रिहाई और सिख कैदियों के मुद्दे पर अकाली दल लंबे समय से अपनी पंथक पहचान को मजबूत करता रहा है। यानी अकाली दल के सामने एक ऐसी स्थिति बन गई है जिसमें समर्थन करे तो आम आदमी पार्टी को पंथक मुद्दे पर श्रेय मिल सकता है और विरोध करे तो पंथक मतदाताओं के बीच गलत संदेश जाने का खतरा है।

भाजपा की भूमिका रहेगी अहम

इस पूरे घटनाक्रम में भारतीय जनता पार्टी की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है। भाजपा के सामने एक तरफ पंजाब की पंथक संवेदनशीलता है तो दूसरी तरफ बेअंत सिंह हत्याकांड से जुड़ा भावनात्मक और राजनीतिक इतिहास। मुख्यमंत्री मान के पत्र के बाद अब निर्णय की प्रक्रिया पर सभी की निगाहें टिक गई हैं। यदि कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत पैरोल मंजूर होती है तो आम आदमी पार्टी इसे मानवीय पहल के तौर पर पेश कर सकती है। वहीं यदि पैरोल नहीं मिलती तो राजनीतिक बहस का रुख इस सवाल की ओर जा सकता है कि बीमार मां से मिलने के मानवीय आग्रह को क्यों स्वीकार नहीं किया गया। 27 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए यह घटनाक्रम आम आदमी पार्टी की रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पंथक राजनीति का संवेदनशील मुद्दा

यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हवारा की पैरोल का मामला लंबे समय से पंजाब की पंथक राजनीति का संवेदनशील मुद्दा रहा है। फरवरी में हवारा कलां में आयोजित पंथक सभा में भी उनकी बीमार मां से मुलाकात के लिए पैरोल की मांग प्रमुखता से उठी थी और सरकार को इस मामले में समयबद्ध कार्रवाई करने की मांग की गई थी। जुलाई में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हवारा की पैरोल याचिका पर समयबद्ध प्रक्रिया के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए थे। मंडोली जेल के अधीक्षक और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से रिपोर्ट लेकर नियमों के अनुसार निर्णय की प्रक्रिया आगे बढ़ाने को कहा गया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjayasharma
@Editor_Sanjay

सोशल मीडिया पर नियंत्रण जरूरी

> चिंता की बड़ी बात यह है कि पिछले मात्र एक सप्ताह में बच्चों के साथ बलात्कार का वीडियो इंस्टाग्राम पर अपलोड करने के पचास से ज्यादा मामले आयोग के संज्ञान में आए हैं। इतनी बड़ी संख्या में ऐसे मामलों का सामने आना यह दर्शाता है कि यह आइटी कंपनियों की व्यवस्थागत विफलता है, जिस पर तत्काल और गंभीर हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

सोशल मीडिया पर अंकु श लगाना जरूरी है। अभी हाल में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट को लेकर जिस तत्परता से कदम उठाया है, वह स्वागत योग्य है। चिंता की बड़ी बात यह है कि पिछले मात्र एक सप्ताह में बच्चों के साथ बलात्कार का वीडियो इंस्टाग्राम पर अपलोड करने के पचास से ज्यादा मामले आयोग के संज्ञान में आए हैं। इतनी बड़ी संख्या में ऐसे मामलों का सामने आना यह दर्शाता है कि यह आइटी कंपनियों की व्यवस्थागत विफलता है, जिस पर तत्काल और गंभीर हस्तक्षेप की आवश्यकता है। एनएचआरसी ने आठ राज्यों के पुलिस महानिदेशकों को नोटिस जारी कर एफआइआर दर्ज करने और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही, इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा को भी नोटिस भेजा गया है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को भी पूरे प्रकरण से अवगत कराया गया है। यह बहुस्तरीय कार्रवाई इस बात का संकेत है कि आयोग इस मुद्दे को केवल राज्यों की कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि आइटी प्लेटफॉर्म की जवाबदेही मानकर आगे बढ़ रहा है।

भारत के आइटी नियमों के तहत मध्यस्थ प्लेटफॉर्मों को बाध्य किया गया है कि वे अवैध और आपत्तिजनक सामग्री की सूचना मिलते ही उसे हटाएं। बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री तो सबसे गंभीर श्रेणी में आती है, जिसे किसी भी स्थिति में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बने रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अव्वल तो इसे प्लेटफॉर्म पर आने से पहले ही रोका जाना चाहिए। आयोग ने मेटा को ठीक ही याद दिलाया है कि उसे अपनी जिम्मेदारी समझते हुए ऐसी सामग्री को तत्काल प्रभाव से हटाना होगा। सवाल यह भी उठता है कि इतनी बड़ी संख्या में ऐसी सामग्री प्लेटफॉर्म की स्वचालित निगरानी प्रणालियों से कैसे बचती रही। क्या व्यावसायिक कारणों से इसे जानबूझकर फैलने दिया गया? यह आइटी कंपनियों की जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। दूसरी ओर, पुलिस की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जो शिकायतों पर अपेक्षित गंभीरता और तेजी से कार्रवाई नहीं कर पा रही है। एनएचआरसी की पहल केवल नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। परिणाम तभी दिखेगा जब राज्यों की पुलिस दोषियों को सजा दिलाए। मेटा जैसी कंपनियां अपने मंच पर आपत्तिजनक सामग्री की पहचान और हटाने की प्रक्रिया को और मजबूत करे और केंद्र सरकार आवश्यकता पडने पर कानूनी ढांचे को और सख्त बनाए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारतीय डिजिटल क्षमता की चौथी पंक्ति

लेफ्टिनेंट जनरल एसएस मेहता सेवानिवृत्त

काबिलियत, जब इसे बोलने को मौका मिले, तो अभी भी जन्मजात कुलीनों को धूल चटाने में सक्षम है। 1911 में, कलकत्ता के मैदान पर, नंगे पैर खेलने वाली मोहन बागान टीम ने बूट पहने हुए अंग्रेज रेजिमेंट को हराकर आईएफए शील्ड जीती थी। इससे परतंत्र देश को अहसास हुआ कि बराबरी के मैदान पर शासकों का मुकाबला किया जा सकता है और उन्हें हराया जा सकता है। यह कोई संयोगवश एकल घटना नहीं थी। 1956 में मेलबर्न में, भारत ओलंपिक फुटबॉल के सेमीफाइनल तक पहुंचा; ऐसा करने वाली वह तब तक की इकलौती एशियाई टीम थी। यह सीख पुरानी नहीं पड़ी। कुछ हफ्ते पहले ग्लासगो में, दक्षिण त्रिपुरा के बेलोनिया वासी और साइकिल मैकेनिक की बेटी अस्मिता डे ने भारत के लिए पहला कॉमनवेल्थ जूडो गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में एक कनाडाई खिलाड़ी को 'सडन डेथ' (अतिरिक्त समय) में हराया।

पैदाइश उन्हें साइकिल मिस्त्री के घर मिली, लेकिन काबिलियत के दम पर वह ग्लासगो तक पहुंची। खेल की भाषा में विवेकानंद का तर्क भी यही है, जो साम्राज्य के विरुद्ध सही साबित हुआ और फिर आजादी बाद भी। पूर्णता इंसान के भीतर होती है, और उसे किसी कुलीन या उच्च घराने में जन्म लेने की इजाजत नहीं चाहिए। इस लेख के पहले भाग में कीमत और समाधान की बात थी। कोई हल्की-फुल्की जांच नहीं, बल्कि एक अन्य उपकरण या सिस्टम। हम उसे ही बना रहे हैं। कमरे का निर्माण एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी समूह पहला अंदेशा कि भारत बहुत बड़ा और बहुत गरीब देश होने के कारण ऐसी चीज नहीं बना सकता; लेकिन भारत पहले ही इसका जवाब दे चुका है। आधार कार्ड प्रणाली ने आबादी के बड़े स्तर पर वह समस्या हल की जिस पर काबिलियत का रिकॉर्ड टिका है, व्यक्ति कौन है, इसकी पक्की पहचान। फिर यूपीआई ने उस पहचान के जरिए वित्तीय लेन-देन संभव बनाया। आज कुल वैश्विक रियल टाइम वित्तीय लेन-देन का करीब आधा हिस्सा यूपीआई के जरिए हो रहा। यह व्यवस्था पुरानी इकोनॉमीज द्वारा निर्मित किसी भी प्रणाली के मुकाबले सस्ती व तेज है। डिजीलॉकर ने तीसरा सिद्धांत स्थापित किया।

नागरिक अपने प्रमाण-पत्र डिजिटल प्रारूप में अपने साथ कहीं भी ले जा पाए, जो भरोसेमंद, सत्यापन योग्य, हर जगह उपलब्ध और मान्य हो। जिस देश ने ये तीन चीजें बना ली हों, उससे अब कुछ नया प्रयास करने को नहीं कहा जा सकता। पहचान से यह तय होता है कि आप कौन हैं। पेमेंट से यह कि क्या ट्रांसफर कर सकते हैं। वहीं डॉक्यूमेंट से यह कि क्या साबित कर सकते हैं। कैपेबिलिटी स्मार्ट कार्ड स्थापित करेगा कि आप क्या कर सकते हैं। ढांचा वही, एक और मंजिल के साथ, भारत की डिजिटल क्षमता की चौथी परत। यह साधन एक राष्ट्रीय क्षमता संरचना है, एक भरोसेमंद और गतीशील रिकॉर्ड, इस बारे में कि कोई व्यक्ति असल में क्या कर सकता है, जीवनपर्यंत साथ चलने वाला, नागरिक के पास वह कार्ड जो आज के दिन पक्के पहचान पत्र जैसा है। वक्त-वक्त पर सत्यापित करके इसमें नई जानकारी जुड़ सकती है, केवाईसी की तरह। इसमें डिग्री केवल आखिरी पन्ना न होकर एक अध्याय है। कारखाने में सिद्ध किया कौशल हो या रेजिमेंट, या अस्पताल या फिर कार्यक्षेत्र का अनुभव, सब उसी रिकॉर्ड में हो, उसी तरह अंकों अथवा ग्रेडिंग में, जैसे पढ़ाई में होता था। भरोसे का गोल्ड स्टैंडर्ड भारत प्रमाणपत्र जारी करने में नाकाम नहीं रहा। बस उनका कोई मोल डलवाने में विफल रहा। बीस में से बमुश्किल एक कारीगर के पास औपचारिक कौशल प्रमाणपत्र होता है, जबकि जर्मनी में चार में से लगभग तीन के पास और दक्षिण कोरिया में हर किसी कामगार के पास ऐसा प्रमाणपत्र होता है, और हमारा वह कागज अक्सर न तो भरोसा दिला पाता है, न रुतबा और न ही बेहतर वेतन। प्रमाणपत्र तब तक मूल्यविहीन है जब तक वह भरोसेमंद न हो, और भरोसे की एक खास शर्त होती है। जो सिखा रहा है, वह प्रमाणपत्र जारी नहीं करेगा। ब्रिटेन में 'सिटी एंड गिल्ड्स' जैसी संस्थाएं स्वतंत्र रूप से मानकीकरण व मूल्यांकन स्थापित करती हैं, यह उस नियोक्ता या कारखाने से इतर हैं, जहां काबिलियत हासिल की गई। यह अलहदगी योग्यता को कहीं भी मान्य व भरोसेमंद बनाती है।

भारत की मुश्किल प्रमाणकर्ता की कमी नहीं है। पर इसके प्रमाणकर्ताओं का भरोसा नहीं है। कॉलेजों और तकनीकी संस्थानों को मान्यता देने के लिए बनाई गई संस्थाएं अक्सर उसी संरक्षण-तंत्र का हिस्सा बन जाती हैं, जिनकी निगरानी करने लिए उन्हें बनाया गया है; इनमें नियुक्तियां योग्यता की बजाय सिफारिशों से होती हैं, जब मान्यता देने वाली संस्था न तो स्वतंत्र हो और न ही निष्पक्ष, तो उसकी मुहर का क्या मोल। जो प्रमाणकर्ता खुद उसी व्यवस्था का हिस्सा बन जाए, जिसकी जांच करनी है, तो यह रबर स्टैम्प भर है।

रिसते रिश्तों पर अब जासूसों की नजर

क्षमा शर्मा

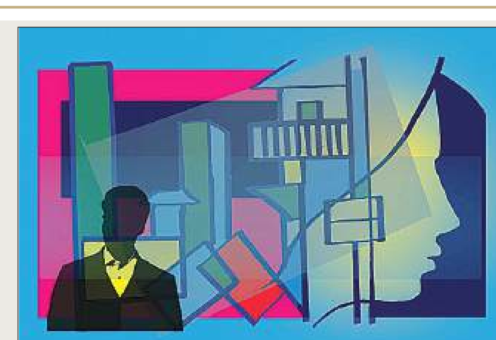

हाल ही में एक खबर आई कि एक इंजीनियर ने अमेरिकन क्राइम थ्रिलर देखकर अपनी पत्नी को मार डाला। एक स्त्री ने अपने पुरुष मित्र से अपने ही बच्चे को मरवा दिया। दूसरी घटना में, पुरुष मित्र से फोन पर बातें करने पर जब छोटा बच्चा विघ्न डाल रहा था, तो मां ने उसका गला घोंट दिया। एक लड़के ने अपनी पुरानी महिला मित्र से छुटकारा पाने के लिए उसे बाइक से रौंद दिया, तो दूसरे ने कार से कुचल डाला। एक अन्य खबर में, जब नई बहू के बारे में पता चला कि वह किसी अन्य के साथ रिश्ते में थी, तो ससुराल वाले डर गए। उन्हें अपने बेटे के जीवन की चिंता सताने लगी। आपसी सहमति से उन्होंने बहू को उसके पुरुष मित्र के पास भेज दिया। ऐसी कितनी ही घटनाएं हैं, जहाँ स्त्रियां अपने पांच-छह, यहाँ तक कि नौ बच्चों को छोड़कर अपने पुरुष मित्र के साथ चली गईं। जब उनसे पूछा गया, तो कईयों ने कहा कि वे एक भी बच्चे को साथ नहीं ले जाएंगी।

एक ने तो यह भी कहा कि बच्चे पति के हैं, वही इन्हें रखें। बच्चे रो-रोकर पुकारते रहे, पर उनकी किसी ने नहीं सुनी। इन मामलों को देखकर लगता है कि ये बच्चे दुनिया में अपनी मर्जी से तो नहीं आए थे, लेकिन उन्हें भटकने के लिए छोड़ दिया गया। वे आखिर किसके भरोसे रहेंगे? कहाँ-कहाँ भटकेंगे? कौन उनकी मदद करेगा? माता-पिता के होते हुए भी वे अनाथ हो गए। लेकिन इससे भी ज्यादा दुख इस बात का है कि पति पत्नी को और पत्नी पति को मार रही है। मारने के लिए कहीं नीले ड्रम का इस्तेमाल किया जा रहा है, तो कहीं पहाड़ से धक्का दिया जा रहा है। कहीं सांप से कटवाया जा रहा है, तो कहीं दीवार में चिनवाया जा रहा है या खेत में गाड़ा जा रहा है। आखिर लोग ऐसा क्यों कर रहे हैं? इसके बहुत से कारण गिनाए जा सकते हैं; जैसे रोज का लड़ाई-झगड़ा, एक-दूसरे को नियंत्रित (कंट्रोल) करने की इच्छा, घरेलू हिंसा, आर्थिक और जमीन-जायदाद के झगड़े, पारिवारिक दबाव, शराब का सेवन, मानसिक स्वास्थ्य के मसले, एक-दूसरे पर शक करना और विवाहेतर संबंध आदि। अनेक मामलों में आरोपी पकड़े भी जा रहे हैं।

जब उनसे पूछा जाता है कि क्या उन्हें अपने किए पर दुख या पश्चाताप है, तो कई कहते हैं कि उन्हें कोई दुख नहीं है। ऐसी घटनाओं के कितने भी कारण गिनाए जाएं, पर बहुत बार मामूली बातों पर रिश्तों में ऐसी दरारें पड़ रही हैं कि एक-दूसरे की जान लेने से पहले यह भी नहीं सोचा जा रहा है कि ऐसा करके आखिर वे बचेंगे कैसे और यदि पकड़े गए तो क्या होगा। हालांकि, वे पकड़े भी जा रहे हैं और एक के किए की सजा दोनों तरफ के परिवारों को भुगतनी पड़ रही है। बहुत साल पहले मशहूर अभिनेता स्वर्गीय श्रीराम लागू ने कहा था कि विवाह संस्था सड़-गल चुकी है, अब इसे खत्म हो जाना चाहिए। इतने साल पहले कही गई श्रीराम लागू की बात क्या सच साबित हो गई है? क्या शादी-विवाह अब गए जमाने की बात हो गए हैं? लोग कह सकते हैं कि कुछेक घटनाओं के कारण पूरी विवाह संस्था को खारिज नहीं किया जा सकता। यह भी दिलचस्प है कि एक तरफ अपने देश में विवाह का कारोबार अरबों रुपयों का है, तो दूसरी तरफ विवाह और रिश्तों की मर्यादाएं तार-तार हो रही हैं। हाल ही में एक और खबर पढ़ी कि अब विवाह से पूर्व परिवार के लोग लड़के-लड़कियों का बैकग्राउंड चेक करा रहे हैं।

इसके लिए प्राइवेट जासूसों की मदद ली जा रही है। आज से कुछ दशक पहले रिश्ते के लिए किसी नाई या पंडित की मदद ली जाती थी। कोई अड़ोसी-पड़ोसी या नाते-रिश्तेदार रिश्ता तय करा देते थे, जिन्हें बिचौलिया कहा जाता था। फिर ऐसा वक्त आया कि विवाह के लिए अखबारों में विज्ञापन छपने लगे और फिर ऑनलाइन बाजार बन गया, जहाँ धोखाधड़ी की आशंका हमेशा बनी रहती थी। युवक-युवतियां अपनी पसंद से भी विवाह करने लगे, लेकिन पिछले कुछ समय से यह बात बहुत सामने आने लगी है कि रिश्ता न चल पाने पर या जीवन में किसी और के आने पर लोग एक-दूसरे की जान लेने लगे हैं। ऐसे में परिवार वालों को लगता है कि जिस युवक या युवती से विवाह तय हो रहा है, पहले उसके बारे में पूरी छानबीन कर ली जाए। यह छानबीन सिर्फ अरेंज्ड मैरिज में ही नहीं, बल्कि प्रेम विवाहों में भी की जा रही है। पहले सोनम और राजा रघुवंशी तथा हाल ही के दिनों में सिया-केतन के मामलों ने इन जांचों को और गति दी है।

एक मामले में लड़की का एक लड़के से कई सालों से रिश्ता था। दोनों एक-दूसरे से विवाह करना चाहते थे और परिवार वालों को भी कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन लड़की के परिवार वालों को लगा कि विवाह की बात पक्की होने से पहले लड़के का बैकग्राउंड चेक करा लेना चाहिए। इसके लिए प्राइवेट जासूस की सेवाएं ली गईं। जो बातें सामने आईं, वे बेहद चौंकाने वाली थीं। पता चला कि लड़का पहले से शादीशुदा था और उसकी पत्नी ने उसके बुरे व्यवहार के कारण आत्महत्या कर ली थी। यह जानकर लड़की वालों ने फौरन रिश्ता तोड़ दिया। बहुत पहले रजनी पंडित नामक प्राइवेट जासूस का एक इंटरव्यू पढ़ रही थी। उसमें उन्होंने बताया था कि कई बार सही बात का पता लगाने के लिए तरह-तरह के रूप धरने पड़ते हैं। एक बार वह एक घर में घरेलू सहायिका के रूप में भी रही थीं। जासूसी संस्थाओं में से एक के मालिक का कहना है कि आज से तीन दशक पहले ऐसे केस महीने में छह-सात ही होते थे, लेकिन अब हर महीने दो सौ से अधिक केस आते हैं। हर दिन पचास-साठ फोन इसी संबंध में आते हैं। इसी कारण यह बाजार तेजी से बढ़ रहा है।

नागपंचमी पर यहां करें सर्पराज के दर्शन

हिंदू धर्म में नाग पंचमी का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाते हैं। इस बार 17 अगस्त को ये पर्व मनाया जायेगा। इस दिन नाग देवता की पूजा की जाती है। भगवान शिव के गले में नागराज वासुकी लिपटे रहते हैं। इसके लिए उन्होंने कठोर तप किया था, जिसके बाद उनको शिव जी के पास रहने का आशीर्वाद मिला। और उनके आराध्य भगवान शिव की भी पूजा करते हैं। सावन का महीना वैसे भी शिव जी की पूजा के लिए होता है, इसमें उनके प्रतीक चिह्नों का भी महत्व बढ़ जाता है। मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करने या सर्प को दूध पिलाने से जीवन में सौभाग्य और समृद्धि आती है। आज नाग पंचमी मनाई जा रही है। नाग पंचमी के मौके पर नाग देव के मंदिरों के दर्शन के लिए जा सकते हैं और यहां पूजा अर्चना की जा सकती है।

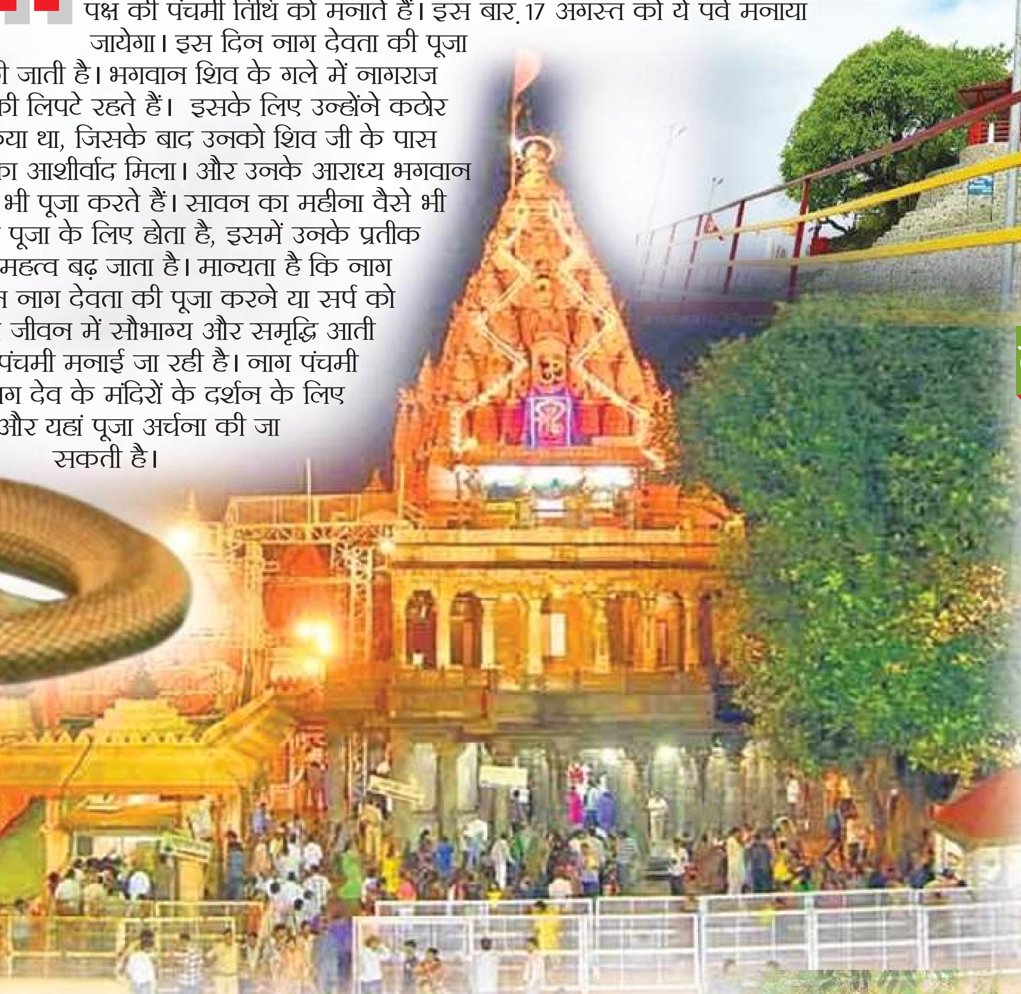

कर्कोटक नागराज मंदिर

उज्जैन के महाकाल में कर्कोटक नाग मंदिर स्थित है, जहां पूजा करने से सर्प दोष से मुक्ति मिलती है। लेकिन कर्कोटक नागराज का सबसे प्राचीन मंदिर नैनीताल के पास है। भीमताल के कर्कोटक नाम की पहाड़ी के टॉप पर मंदिर बना है। मंदिर का वर्णन स्कंद पुराण के मानसखंड में मिलता है। मंदिर का इतिहास लगभग 5 हजार साल से अधिक पुराना है। नाग देवता कर्कोटक नाग को समर्पित यह मंदिर अनगिनत वर्षों से आस्था और रहस्य का केंद्र रहा है। नाग या सर्प देवता, कर्कोटक के पास बारिश को नियंत्रित करने की शक्ति है और स्थानीय लोग उन्हें सांप के काटने से बचाने और सौभाग्य लाने के लिए पूजते हैं।

नागचंद्रेश्वर मंदिर

मध्य प्रदेश में दो ज्योतिर्लिंग मंदिर स्थित हैं। वहीं यहां नाग देवता का एक प्राचीन मंदिर भी है। नागचंद्रेश्वर मंदिर उज्जैन के प्रसिद्ध महाकाल मंदिर की तीसरी मंजिल पर स्थित है। यह मंदिर के कपाट साल में एक बार नागपंचमी के दिन ही भक्तों के दर्शन के लिए खुलते हैं। मंदिर में भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश जी दशमुखी सर्प शय्या पर विराजित हैं। ऐसी मान्यता है कि इस दिन नागराज तक्षक स्वंय मंदिर में मौजूद रहते हैं। पूरी दुनिया में यह एक मात्र ऐसा मंदिर है, जिसमें विष्णु भगवान की जगह भगवान भोलेनाथ सर्प शयया पर विराजमान हैं। शिवशंभु के गले और भुजाओं में भुजंग लिपटे हुए हैं।

शेषनाग मंदिर

जम्मू कश्मीर में भी नाग देवता का प्राचीन मंदिर है। शेषनाग मंदिर के नाम से प्रसिद्ध यह नाग मंदिर पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला में पटनीटॉप में स्थित है। इस मंदिर का इतिहास 600 साल पुराना है। कश्मीर का अनंतनाग क्षेत्र पहले नागवंशियों का गढ़ था। इस मंदिर में नागपंचमी का भव्य उत्सव होता है, जिसमें हजारों तीर्थयात्री शामिल होते हैं।

मन्नारशाला नाग मंदिर

केरल के अलेप्पी जिले में लगभग 40 किमी दूर मन्नारशाला नाग मंदिर स्थित है। इस मंदिर में एक या दो नहीं बल्कि 30 हजार नागों की प्रतिमाएं हैं। यहां नागराज के साथ उनकी जीवनसंगिनी नागायक्षी देवी विराजमान हैं। इस मंदिर के हर कोने के हर हिस्से में 30 हज़ार सापों की प्रतिमा स्थापित है। ये मंदिर लगभग 16 एकड़ के भूभाग में फैला हुआ है। मंदिर परिसर से ही लगा हुआ एक नम्बूदिरी का साधारण सा खानदानी घर है।

हंसना मना है

जब देखा उन्होंने तिरछी नजर से, तो हम मदहोश हो गए। पर जब पता चला की नजर ही तिरछी है, तो हम बेहोश हो गए!

पत्नी: फोन पे इतनी धीमी आवाज में किससे बात कर रहे हो? पति: बहन से। पत्नी: तो फिर इतनी धीमी आवाज में किस लिए? पति: तेरी है, इसलिए।

पत्नी: शादी के दस साल हो गए और एक आप है, जो आज तक कहीं घूमाने तक नहीं ले गए। पति: ठीक है आज घूमने चलेंगे। शाम को पति, पत्नी को लेकर श्मशान घाट ले गया! पत्नी गुस्से से बोली: छी श्मशान भी कोई घूमने की जगह होती है? पति: अरे पगली लोग मरते हैं यहां आने के लिए।

संता बड़ा परेशान था, बेचारे की शादी जो नहीं हो रही थी। हर बार शादी होते-होते टूट जाती। बेचारा एक दिन एक पंडित जी के पास पहुंच गया। और बोला- पंडित जी कोई उपाय बताए मेरी शादी नहीं हो रही हमेशा टूट जाती है। पंडित जी ने कहा- शादी हो जाएगी, लेकिन सबसे पहले तुम लोगों से सदा सुखी होने का आशीर्वाद लेना बंद करो।

कहानी | चींटी और टिड्डा

एक बार गर्मी के मौसम में एक चींटी कड़ी मेहनत से अपने लिए अनाज जुटा रही थी। वह सोच रही थी कि धूप तेज हो जाए, इससे पहले क्यों न अपना काम पूरा कर लिया जाय। वह रोजाना खेत से उठाकर दाने अपने बिल में जमा करती थी। वहीं, पास में ही एक टिड्डा फुदक रहा था। मस्ती में वह नाच रहा था। पसीने से तरबतर चींटी अनाज लेकर बिल की तरफ जा रही थी, तभी टिड्डा फुदककर उसके सामने आ गया। बोला, प्यारी चींटी क्यों इतनी मेहनत कर रही हो। आओ मजे करें। चींटी ने टिड्डे को नजरअंदाज किया और खेत से उठाकर एक-एक दाना अपने बिल में जमा करती रही। मस्ती में डूबा टिड्डा चींटी को देखकर हंसता और मजाक उड़ाता। टिड्डा की हरकतों से चींटी परेशान हो गई। उसने समझाते हुए कहा, सुनो टिड्डा- ठंड का मौसम कुछ दिन बाद ही आने वाला है। तब खूब बर्फ गिरेगी। कहीं भी अनाज नहीं मिलेगा। मेरी सलाह है, अपने खाने का इंतजाम कर लो। धीरे-धीरे गर्मी का मौसम खत्म हो गया। मस्ती में डूबे टिड्डे को पता ही नहीं चला कि गर्मी कब खत्म हो गई। बारिश के बाद ठंड आ गई। कोहरे और बर्फबारी की वजह से बमुश्किल सूरज के दर्शन हो रहे थे। टिड्डे ने अपने खाने के लिए बिल्कुल भी अनाज नहीं जुटाया था। हर ओर बर्फ की मोटी चादर पड़ी थी। भूख से टिड्डा तड़पने लगा। टिड्डे के पास बर्फबारी और ठंड से बचने का भी इंतजाम नहीं था। तभी उसकी नजर चींटी पर पड़ी। अपनी बिल में चींटी मजे से जमा किए हुए अनाज खा रही थी। तब टिड्डे को एहसास हुआ कि समय को बर्बाद करने का उसे फल मिल चुका है। भूख और ठंड से तड़पते टिड्डे की फिर चींटी ने मदद की। खाने के लिए उसे कुछ अनाज दिए। चींटी ने ठंड से बचने के लिए खूब घास-फूस जुटाए थे। उसी से टिड्डे को भी अपना घर बनाने के लिए कहा।

7 अंतर खोजें

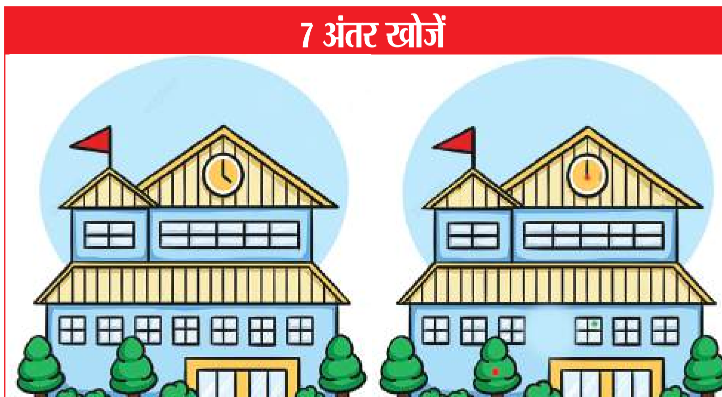

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: कार्यस्थल पर तनाव हो सकता है। पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम बिताएंगे। संबंधों को लेकर सावधान रहने की जरूरत है। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रहेगी।

वृषभ: कार्य स्थल पर साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। व्यापारिक यात्रा सफल रहेगी। छोटे भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। कोई बड़ा खर्च सामने आ सकता है।

मिथुन: कार्यस्थल पर वाणी पर संयम रखें। आपकी संवाद शैली से व्यापार में लाभ होगा। सिंगल लोगों को कोई खास मिल सकता है। आर्थिक लेन-देन में थोड़ी रुकावट आ सकती है।

कर्क: वर्कप्लेस पर सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। कारोबार में निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। पार्टनर को अपनी भावनाएं स्पष्ट बताएं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सिंह: नौकरी में पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कारोबार में लाभ होगा। लव लाइफ में मधुरता बनी रहेगी। अनावश्यक खर्च और व्यर्थ की भागदौड़ होगी। क्रोध और अनिद्रा से बचकर रहें।

कन्या: नौकरी में बदलाव, आय में वृद्धि के योग। कारोबारी हैं तो बारीक काम में ध्यान देने की जरूरत है। पार्टनर के साथ संवाद बनाए रखें। अनावश्यक खर्चों से बचें।

तुला: कार्यक्षेत्र में पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। साझेदारी के काम में लाभ मिलेगा। पार्टनर के साथ संबंध और प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ धन मिलने की संभावना है। नियमित दिनचर्या का पालन करें।

वृश्चिक: कार्यस्थल पर चुनौतियों में भाग्य का साथ मिलेगा। कारोबारी हैं तो नए अवसार प्राप्त होंगे। पार्टनर पर भरोसा बनाए रखें। परिवार के साथ लंबी यात्रा के योग हैं।

धनु: पार्टनर के साथ रिश्ते में विश्वास बढ़ेगा। नौकरी में आज का दिन सकारात्मक रहेगा, लेकिन विवादों से दूर रहें। शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड से लाभ हो सकता है।

मकर: कार्यस्थल पर आपकी मेहनत का फल मिल सकता है। व्यापारिक साझेदारी में लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। संपत्ति से जुड़े काम पूरे होंगे।

कुम्भ: कारोबारी हैं तो शत्रुओं और प्रतिस्पर्धियों पर विजय मिलेगी। लव लाइफ में कोई नया मोड़ आ सकता है। भारी सामान उठाते वक्त सावधानी रखें।

मीन: कार्यस्थलन पर रचनात्मक कार्यों से जुड़ेंगे तो लाभ होगा। शेयर बाजार या जोखिमभरे निवेश से बचें। पार्टनर की सुनें, विद्या और संतान पक्ष को लेकर चिंता रह सकती है।

सलमान खान को अपने किये पर माफी मांगनी चाहिए : सोमी अली

सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से लगातार मिल रही जान से मारने की धमकियों के बीच उनकी एक्स-गर्लफ्रेंड सोमी अली का एक नया और चौंकाने वाला बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने एक्टर से माफी की डिमांड की है।

कभी सलमान खान के साथ लंबे रिलेशनशिप में रहीं और ऐश्वर्या राय के आने के बाद उनसे अलग हुईं सोमी अक्सर सलमान पर कई गंभीर आरोप लगाती रही हैं। अब एक हालिया इंटरव्यू में सोमी अली ने खुलासा किया है कि उन्होंने सलमान को उनके पर्सनल नंबर पर मैसेज भेजकर बिश्नोई समाज के मंदिर में जाकर माफी मांगने और अपनी ईगो छोड़ने की सलाह दी थी।

निधि वासंदानी को दिए इंटरव्यू के दौरान जब सोमी अली से पूछा गया कि अगर वे सलमान खान के आमने-सामने बैठकर बात करें तो उनसे क्या कहेंगी, तो सोमी ने बताया कि वे पहले ही सलमान से कॉन्टेक्ट करने की कोशिश कर चुकी हैं। सोमी ने दावा किया, मैंने सलमान को टेक्स्ट किया था। मेरे पास उनका एक प्राइवेट नंबर है। मैंने उनसे कहा कि अभी भी वक्त है, आप बिश्नोई के मंदिर में जाकर माफी मांगिए और जो आपन। औरतों के साथ गलत किया है, उसके लिए भी माफी मांगिए। अपनी ईगो को पीछे छोड़ दीजिए। जब सोमी से सवाल किया कि आखिर वे माफी मांगने की शर्त क्यों लगा रही हैं और क्या वे पुरानी बातों को भुलाकर पैच-अप या नॉर्मल बातचीत के साथ आगे नहीं बढ़ सकतीं? इस पर चर्चा करते हुए एंकर ने कहा कि क्या यह बेहतर नहीं होगा कि सब कुछ खत्म करके दोनों

अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ जाएं और नए सिरे से दोस्ती की शुरुआत करें? हालांकि, सोमी अपनी इस बात पर कायम नजर आईं कि सलमान को अपने किए पर माफी जरूर मांगनी चाहिए। बता दें कि सलमान खान और सोमी अली का रिश्ता 90 के दशक में काफी सुर्खियों में रहा था। ब्रेकअप के बाद से ही सोमी कई बार सलमान खान पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना के आरोप लगा चुकी हैं।

ऐसे समय में जब सलमान खान पहले से ही लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से मिल रही धमकियों और सुरक्षा चिंताओं का सामना कर रहे हैं, सोमी अली के इस टेक्स्ट मैसेज वाले खुलासे और माफी मांगने की सलाह ने सोशल मीडिया पर एक बार फिर नई बहस छेड़ दी है।

कंगना ने नसीरुद्दीन पर पाकिस्तान के प्रति सहानुभूति रखने का लगाया आरोप

नसीरुद्दीन शाह के स्टूडेंट प्रोटेस्ट पर बॉलीवुड की चुप्पी पर सवाल उठाने के कुछ दिनों बाद कंगना रनौत ने उन पर पलटवार किया है। इससे पहले सोशल मीडिया पोस्ट में उन्हें लोमड़ी कहने के बाद अब बीजेपी सांसद ने बताया है कि उन्होंने ऐसा क्यों कहा। उन्होंने झारखंड में प्रोटेस्ट, संसद की सुरक्षा में सेंध और फिल्म इंडस्ट्री में पाखंड का जिक्र किया।

यह बहस तब शुरू हुई जब नसीरुद्दीन शाह ने उन बॉलीवुड सेलेब्रिटीज के बारे में बात की जिन्होंने एजुकेशन रिफॉर्म्स के लिए प्रोटेस्ट कर रहे स्टूडेंट्स का खुलकर समर्थन नहीं किया था। द वायर को दिए एक इंटरव्यू में शाह ने कहा था, वे ऐसा तब करेंगे जब उनका जमीर उनसे ऐसा करने को कहेगा। एक कहावत है- जिस कुत्ते के मुंह में हड्डी हो, वह भौंक नहीं सकता। जैसे ही हड्डी उनके मुंह से गिरेगी या उनके दांत टूटेंगे, तब वे भौंकेंगे। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर इस पर रिएक्शन देते हुए कहा कि शाह की तरह लोमड़ी कहलाने के बजाय वह कुत्ता कहलाना पसंद करेंगी। उन्होंने उन पर भारत का खाकर पड़ोसी देश के लिए लड़ने का आरोप भी लगाया। सीनियर एक्टर की आलोचना करने के बारे में बात करते हुए कंगना ने कहा, मैंने उन्हें इसलिए कहा क्योंकि उन्होंने इतना बुरा वीडियो बनाया था, जिसमें वे ऐसी धमकियां दे रहे थे, ऐसी बातें कर रहे थे, जो हमारे दुनिया भर में सबसे बड़े प्रतिनिधि हैं, प्रधानमंत्री जी को इतने बड़े-बड़े अवॉर्ड मिलते हैं। कम से कम उन्हें लोकतंत्र की गरिमा तो बनाए रखनी चाहिए कि एक चुने हुए व्यक्ति का, हमारे संविधान के हिसाब से, हमें सम्मान करना चाहिए।

कंगना ने उस मुद्दे को भी फिर से उठाया जिस पर उन्होंने अपने कई पॉलिटिकल और इंडस्ट्री से जुड़े कमेंट्स में बात की है, और बॉलीवुड के कुछ हिस्सों पर पाकिस्तान के प्रति बहुत ज्यादा सहानुभूति रखने का आरोप लगाया।

बॉलीवुड | मन की बात

मैंने कभी नहीं देखा कि इंस्टा पर जेन-जी का मुझ पर इस तरह प्यार बरसेगा : रवि किशन

बीजेपी सांसद इस समय हर जगह हॉट टॉपिक बने हुए हैं। उनके डायलॉग से लेकर उनका मौन व्रत सब ट्रेंड में है। इस बीच रवि किशन ने अपने वायरल वीडियोज पर प्रतिक्रिया देते हुए त्न्द्गठ्ठ-ं का आभार जताया है। रवि किशन ने संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए अपने वायरल डायलॉग नाम या दाम पर कमेंट करते हुए कहा कि जीवन में नाम की ही तो लड़ाई है। उन्होंने कहा कि जेन-जी ने मुझे निशब्द कर दिया है। मैंने इस देश में कभी नहीं देखा कि इंस्टा पर जेन-जी का मुझ पर इस तरह प्यार बरसेगा और ये प्यार रुक नहीं रहा है। लगातार बरस रहा है। मैं उन सारे नौजवानों को सलाम करता हूं कि आपने मेरी चाल को, मेरी बात को मेरे हर एक ढंग को इतना विराट कर दिया। उन्होंने कहा कि जेन-जी को ही आगे चलकर इस देश को संभालना है। युवाओं की आबादी 65 फीसदी है। मोदी जी खुद इंस्टा पर आकर युवाओं से रुबरु होते हैं। उनकी बातों पर गौर करते हैं। जेन-जी को मेरा नाम जो उन्होंने गुमना रवि किशन को नाम दिया। वरना मैं तो पाताल में रहता था। आप लोगों ने मुझे पाताल से बाहर निकाल दिया। बता दें कि रवि किशन इस समय अपने गोल्डन पीरियड में हैं। उनका सबसे पॉपुलर मीम मनी फॉलोस ब्रदर बना हुआ है, कुछ समय पहले जल्दी द लेट छाया हुआ था। इससे पहले रवि किशन ने कहा था कि ये कुछ अलग ही खेल चल रहा है, ये तो पागलपन है। अभी सावन का महीना चल रहा है और जब महादेव का आशीर्वाद मिलता है, तो ऐसा ही होता है। इस देश में आज तक किसी के साथ ऐसा नहीं हुआ, चाहे वो एक्टर हो या राजनेता। सच में, ये पागलपन है। उन्होंने कहा कि लोग पॉपुलर होने के लिए कुछ भी बोल देते हैं और इसी वजह से मेरा 'मौन व्रत' और भी ज्यादा मशहूर हो गया। सबसे अच्छी बात ये है कि ये सब अपने आप और ऑर्गेनिक तरीके से हो रहा है। यहां तक कि बीजेपी के हैंडल, दिल्ली पुलिस और महाराष्ट्र सरकार ने भी इस पर मीम्स बनाए हैं। मैं खुद इन सबको फॉलो कर रहा हूं और हर चीज पर लाइक भी कर रहा हूं।

सोने से भी कीमती है ये मरा हुआ कीड़ा, जमीन खोदकर निकालते हैं लाश, हो जाते हैं मालामाल!

सोशल मीडिया पर एक अजीब सी चीज का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। देखने में वह मरा हुआ कीड़ा या कीट लगता है लेकिन असल में यह एक फंगस है। इसका नाम है यार्सागुम्बा या कीड़ा जड़ी। हिमालय के ऊंचे इलाकों में मिलने वाली यह वस्तु सोने से भी महंगी बिकती है। किलो के भाव कई लाख रुपये से लेकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में हजारों डॉलर तक पहुंच जाते हैं। यार्सागुम्बा वैज्ञानिक नाम ओफियोकोर्डिसेप्स साइनेंसिस है। यह एक परजीवी फंगस है जो घोस्ट मॉथ के लार्वा यानी सूंडियों पर हमला करता है। ऊंचाई वाले ठंडे इलाकों में लार्वा जमीन के अंदर रहता है। फंगस उसके शरीर में घुस जाता है, उसे मार देता है और फिर उसके सिर से निकलकर ऊपर उग आता है। यही वजह है कि लोग इसे मरा हुआ कीड़ा या जॉम्बी फंगस कहते हैं। यह मुख्य रूप से नेपाल, तिब्बत, भूटान और भारत के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में 3500 से 5000 मीटर की ऊंचाई पर पाया जाता है। वसंत और शुरुआती गर्मी के मौसम में जब बर्फ पिघलती है तब लोग इसे खोजने निकलते हैं। जमीन को ध्यान से देखते हुए छोटे-छोटे डंठल ढूंढते हैं और फिर सावधानी से खोदकर निकालते हैं। एक किलो बनाने में हजारों टुकड़े लगते हैं। इसकी दुर्लभता, कठिन संग्रहण और पारंपरिक मांग मुख्य कारण हैं। चीनी और तिब्बती पारंपरिक चिकित्सा में सदियों से इसका इस्तेमाल होता आया है। इसे ऊर्जा बढ़ाने वाला, थकान दूर करने वाला और यौन क्षमता बढ़ाने वाला माना जाता है। इसे हिमालयन वायग्रा के नाम से भी जाना जाता है। अमीर लोग और कुछ खिलाड़ी इसे स्टैमिना के लिए लेते हैं। बाजार का भाव गुणवत्ता, आकार और शुद्धता पर निर्भर करता है। नेपाल और भारत के स्थानीय बाजारों में प्रति किलो कई लाख रुपये तक पहुंच सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रीमियम क्वालिटी के लिए 20 हजार से 50 हजार डॉलर या उससे ज्यादा प्रति किलो की कीमतें बताई जाती हैं। कुछ रिपोर्ट्स में और ऊंचे आंकड़े भी सामने आते हैं। सोने के मौजूदा भाव से तुलना करने पर कई बार यह वजन के हिसाब से महंगा पड़ जाता है। स्थानीय समुदायों के लिए यह आजीविका का बड़ा स्रोत है। नेपाल के डोल्पा, मुगु जैसे जिलों में हजारों परिवार हर साल ऊंचाई पर शिविर लगाकर इसे इकट्ठा करते हैं। कुछ हफ्तों की मेहनत से साल भर की कमाई हो जाती है। स्कूल बंद हो जाते हैं और पूरा गांव इस काम में जुट जाता है। लेकिन ओवरहार्वेस्टिंग यानी अत्यधिक दोहन से पैदावार घट रही है। जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित संग्रहण से संकट बढ़ रहा है।

अजब-गजब | यहां खुद मां-बाप बार-बार करवाते हैं बच्चे की प्लास्टिक सर्जरी

दुनिया का वो देश, जहां बदसूरत होना है पाप!

दुनिया भर में लोग सुंदर दिखने की चाह रखते हैं। क्रीम, घरेलू नुस्खे, जिम और डाइट के जरिए कई लोग अपनी लुक सुधारने की कोशिश करते हैं। लेकिन साउथ कोरिया एक ऐसा देश है जहां खूबसूरती का मानक इतना सख्त है कि प्लास्टिक सर्जरी सामान्य बात हो गई है। यहां बदसूरत दिखना लगभग सामाजिक पाप माना जाता है।

मां-बाप खुद अपने बच्चों को सर्जरी के लिए ले जाते हैं और कई बार बार-बार करवाते हैं। आंकड़ों के मुताबिक साउथ कोरिया दुनिया में प्रति व्यक्ति प्लास्टिक सर्जरी की सबसे ऊंची दर वाले देशों में शुमार है। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार यहां हर एक हजार लोगों पर करीब 8.9 से 13.5 सर्जरी होती हैं। युवा महिलाओं में यह आंकड़ा और ज्यादा है। 19 से 29 साल की करीब 25 प्रतिशत महिलाओं ने कम से कम एक कॉस्मेटिक प्रोसीजर करवाया है। सियोल के गंगनाम इलाके को तो प्लास्टिक सर्जरी का हब कहा जाता है जहां सैकड़ों क्लीनिक हैं। सबसे आम सर्जरी डबल आईलिड यानी आंखों में फोल्ड बनाना है। कोरियाई लोगों की आंखें आमतौर पर सिंगल लिड वाली होती हैं। डबल आईलिड से आंखें बड़ी और चमकदार दिखती हैं। नाक की सर्जरी, वी-लाइन जबड़े की शेपिंग, लिपोसक्शन और बोटॉक्स भी बहुत प्रचलित हैं। कई युवा हाई स्कूल या कॉलेज के बाद इसे गिफ्ट के रूप में लेते हैं। मां-बाप की भूमिका यहां खास है। कई परिवार बच्चों की पढ़ाई पूरी होने पर सर्जरी करवा देते हैं। कुछ माता-पिता मानते हैं कि बेहतर लुक से जॉब और शादी के मौके बेहतर होंगे। जॉब एप्लिकेशन में फोटो लगाना आम है और लुक को लेकर भेदभाव की शिकायतें भी आती रहती हैं।

सोशल मीडिया और के-पॉप इंडस्ट्री ने इस दबाव को और बढ़ाया है। आइडल और एक्ट्रेस का परफेक्ट चेहरा युवाओं के लिए आदर्श बन गया है। यह दबाव सिर्फ महिलाओं तक सीमित नहीं है। पुरुष भी सर्जरी करवा रहे हैं। पुरुष मरीजों की संख्या बढ़ रही है। चेहरे की फाइन-ट्यूनिंग, बालों के ट्रांसप्लांट और अन्य प्रोसीजर पुरुषों में भी लोकप्रिय हो रहे हैं। साउथ कोरिया की ब्यूटी कल्चर को लुकिज्म कहा जाता है यानी दिखावे को सर्वोपरि मानना। यहां त्वचा गोरी, चेहरा छोटा और वी-शेप, आंखें बड़ी और शरीर पतला होना आदर्श है। के-ब्यूटी प्रोडक्ट्स दुनिया भर में फेमस हैं लेकिन घरेलू स्तर पर सर्जरी का चलन और गहरा है। कई युवा बताते हैं कि स्कूल और कॉलेज में लुक को लेकर टिप्पणियां आम हैं। कुछ लड़कियां कहती हैं कि मां-दादी ने उन्हें सर्जरी के लिए प्रेरित किया। एक तरफ यह व्यक्तिगत पसंद है तो दूसरी तरफ सामाजिक दबाव साफ दिखता है। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि बार-बार सर्जरी से जटिलताएं हो सकती हैं। नाक की सर्जरी में रिवीजन केस ज्यादा हैं क्योंकि इम्प्लांट या स्कार टिश्यू समस्या पैदा कर सकते हैं। मेडिकल टूरिज्म भी यहां फल-फूल रहा है। जापान, चीन, थाईलैंड और अमेरिका से लोग सर्जरी कराने आते हैं। सरकार इसे बढ़ावा देती है क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था को फायदा होता है। लेकिन अवैध ब्रोकर और घटिया क्लीनिक के मामले भी सामने आए हैं जिससे विदेशी मरीजों को जोखिम रहता है।

डीजीपी और ईडी के लेटर को लेकर पंजाब में सियासी बवाल

» शिरोमणि अकाली दल ने आप सरकार को घेरा

» आप बोली- एसएडी पार्टी को बदनाम कर रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब डीजीपी और प्रवर्तन निदेशालय ईडी के कथित पत्र को लेकर सत्ताधारी आप और विपक्षी शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के बीच सियासी संग्राम छिड़ गया है। इस लेटर में आप नेताओं के करीबी माने जाने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। एसएडी नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने दावा किया कि पंजाब के डीजीपी गौरव यादव को ईडी का ये लेटर चंडीगढ़ स्थित एक हाउसिंग सोसाइटी और प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत जांच के हिस्से के तौर पर तैयार किया गया था। आरोपों को लेकर आप ने कहा कि एसएडी पार्टी को बदनाम करने के लिए ईडी व डीजीपी को भेजे गए लेटर का इस्तेमाल कर रही है। अमृतसर में पत्रकारों से बात करते हुए मजीठिया ने दावा किया कि ईडी अनुसार 7-10 मई के बीच कई जगहों पर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान करीब 21 लाख रुपये नकद जब्त किए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी ने डीजीपी को पत्र लिखकर उस व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है, जिस पर सरकारी अधिकारियों के तबादले और पोस्टिंग, हथियारों के लाइसेंस की मंजूरी और जमीनी विवादों से जुड़े भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप थे। मजीठिया ने आरोप लगाया कि इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से मिली जानकारी, जिसम चैट भी शामिल हैं, उससे पता चला है कि सरकारी अधिकारियों के तबादले और पोस्टिंग को प्रभावित करने की कोशिशें की गईं।

एसएडी भाजपा के प्रवक्ता की तरह काम कर रही : चीमा

बीजेपी को लोकतांत्रिक मूल्यों या संविधान में कोई भरोसा नहीं

पंजाब के वित्त मंत्री और आप नेता हरपाल सिंह चीमा ने ईडी औरडीजीपी के बीच हुई बातचीत को लेकर एसएडी पर निशाना साधा। चीमा ने आरोप लगाया कि एसएडी ने अपने सिद्धांतों को पूरी तरह छोड़ दिया है और अब वह भाजपा और केंद्रीय जांच एजेंसियों के प्रवक्ता के तौर पर काम कर रही है। साथ ही कहा कि ये हैरानी की बात है कि ईडी की ओर से डीजीपी को भेजे गए एक संदेश का इस्तेमाल अकाली दल आम आदमी पार्टी को बदनाम करने के लिए हथियार के तौर पर कर रहा है। मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए चीमा ने कहा कि वो डॉ. अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को सुनियोजित तरीके से कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा कि ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स जैसी केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल लगातार विपक्षी नेताओं को डराने, स्थानीय प्रशासन को धमकाने और देश भर में चुनी हुई राज्य सरकारों को गिराने के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा चीमा ने ये भी आरोप लगाया कि बीजेपी को लोकतांत्रिक मूल्यों या संविधान में कोई भरोसा नहीं है जब भी चुनाव नजदीक आते हैं या कोई विपक्षी सरकार मजबूती से खड़ी होती है, तो राजनीतिक विरोधियों को डराने और सरकारों को गिराने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल किया जाता है. उन्होंने आगे कहा कि पंजाब के लोग अकाली दल की मौकापरस्त राजनीति और बीजेपी के साथ उसके पुराने गठबंधन के बारे में अच्छी तरह जानते हैं।

भाजपा एमएलए जगमोहन के खिलाफ आमजन आक्रोशित

» लोगों ने दी भूख हड़ताल शुरू करने की चेतावनी

» विधायक बोले- सभी बिरादरियों का करता हूं सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

करनाल। बीरू हत्याकांड मामले में हुए हर्ष एनकाउंटर की न्यायिक जांच को लेकर आज रोड समाज के लोग चंडीगढ़ में दोपहर तीन बजे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलेंगे। दूसरी ओर कुरुक्षेत्र महापंचायत के दौरान रोड समाज के लोगों में करनाल विधायक जगमोहन आनंद की बयानबाजी के खिलाफ भी गुस्सा देखने को मिला। उनका विधायक के निवास के सामने भूख हड़ताल का भी एलान है। साथ ही विधायक पर कार्रवाई की भी मांग है, इसे लेकर आज सीएम से बैठक में चर्चा होगी।

अखिल भारतीय रोड महासभा के प्रधान मनोज कुमार का कहना है कि प्रदेश में रोड़ समाज के करीब 300 गांव हैं, जिनकी आबादी करीब 6.5 लाख है। इनमें से करनाल जिले की बात करें तो करीब 150 गांव उनके समाज के हैं। इनमें उनकी बिरादरी की आबादी करीब 3.5 लाख हैं। करीब दो लाख मतदाता केवल करनाल से हैं। उन्होंने कहा कि समाज के लोग अपने समाज हित के लिए हमेशा तत्पर हैं। विधायक जगमोहन आनंद का कहना है कि मैं सभी 36 बिरादरी का सम्मान करता हूं और सभी बिरादरियों के लिए काम करता हूं, कभी बिरादरी देखकर कुछ नहीं किया। बीरू की हत्या के बाद परिजनों के बीच में जाना शहर का प्रतिनिधि होने के नाते मेरा फर्ज था। वहां एसपी से बातचीत के बाद ही पीड़ित परिवार को कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था। उस समय यह किसी को नहीं पता था कि बीरू को मारने वाले किस बिरादरी या जाति से हैं। इसलिए रोड समाज से भी अपील है कि वह भाईचारा बनाए रखें। अपराधी की कोई जाति नहीं होती। मेरी उसे समय की बातों को भी तोड़ मरोड़ कर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।

यूपी टी-20 लीग की तैयारी जोरों पर

» अधिकारियों ने लिया जायजा

लखनऊ। यूपी के उत्सव यानि यूपी टी-20 लीग सीजन-4 के कल से शुरूहोगा। लीग की तैयारियों का जायजा लेने के लिए अवनीश अवस्थी सलाहकार मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ने भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना कि केट स्टेडियम का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेडियम में लीग के आयोजन से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान यूपी टी-20 लीग की गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर और इकाना स्पोर्ट्स सिटी के सीएमडी उदय सिन्हा के साथ स्टेडियम के विभिन्न हिस्सों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने आयोजन को लेकर कुछ जरुरी निर्देश दिए और आयोजन से जुड़ी कई जानकारियों को साझा किया। इस दौरान लीग के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक तैयारियों और व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई।

इस दौरान आयोजन की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था और दर्शकों की सुविधाओं समेत अन्य व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान डॉ. संजय कपूर ने उन्हें भरोसा दिलाया कि लीग का आयोजन भव्य स्तर पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रतिभागी टीमों के खिलाड़ियों सहित स्टेडियम पहुंचने वाले दर्शकों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा और आयोजन के दौरान व्यवस्थाएं पूरी तरह चाक-चौबंद रहेगी। इस अवसर पर यूपी टी-20 लीग की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य संजीव कुमार सिंह भी मौजूद रहे। यूपी टी-20 लीग के चौथे सत्र से पहले आयोजित होने वाले विशेष ट्रॉफी टूर अभियान का समापन बुधवार को हो गया। अभियान के अंतिम चरण में ट्रॉफी मोंट फोर्ट स्कूल, महानगर पहुंची, जहां काशी रुद्रास के शुभम चौबे ने छात्रों से संवाद किया।

भाजपा के दबाव में सीजेपी की बुकिंग रद कर रहे बैंक्वेट मालिक

» सीजेपी के संस्थापक दिपके भाजपा पर भड़के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह राजधानी में हॉल और बैंकेट मालिकों को उनकी पार्टी की गतिविधियों के लिए अपनी जगह किराए पर न देने की धमकी दे रही है। दिपके ने बताया कि नारायणा में वॉलंटियर्स की एक मीटिंग आज रद्द कर दी गई, क्योंकि जिस बैंक्वेट हॉल में यह मीटिंग होनी थी, उसने सत्ताधारी पार्टी के दबाव के कारण आखिरी समय पर बुकिंग रद्द कर दी। दिपके ने पत्रकारों को बताया कि आज दिल्ली में हमारे वॉलंटियर्स की मीटिंग होनी थी।

हम एक हॉल की तलाश कर रहे थे, लेकिन किसी ने भी हमें हॉल किराए पर देने के लिए हामी नहीं भरी। हर कोई यही कहता रहा कि ऊपर से दबाव है और वे सीजेपी को हॉल नहीं दे सकते। कम से कम 10 जगहों ने हमें जगह देने से मना कर दिया और कहा कि अगर उन्होंने ऐसा किया, तो वे मुसीबत में पड़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि आयोजकों ने आखिरकार एक जगह बुक कर ली, लेकिन जब वे वहां पहुंचे, तो उन्हें बताया गया कि दबाव के कारण उन्हें हॉल नहीं दिया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि बहुत मुश्किल से हमें हॉल मिल पाया था। हमारे पास बुकिंग की रसीद भी है। लेकिन जिन लोगों ने हमें हॉल दिया था, उन्हें भी धमकी दी गई और कहा गया कि अगर उन्होंने वहां सीजेपी की मीटिंग होने दी, तो उन्हें उल्टा लटका दिया जाएगा।

बीजेपी युवाओं से डरी हुई है

उन्होंने आगे कहा कि लोगों को इस तरह से धमकाया जा रहा है। हमें ऐसी बैठकें करने से रोकने की कोशिशें हो रही हैं। यह सब भाजपा कर रही है... उनके कामों और बातों से साफ़ पता चलता है कि वे देश के युवाओं से डरे हुए हैं... अगर उन्हें लगता है कि ऐसी छोटी-मोटी हरकतों से हम डर जाएंगे, तो वे पूरी तरह गलतफहमी में हैं। सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका ने भी भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि चिंता मत करो बीजेपी तुम्हारे बच्चों के स्कूल भी ठीक करवाएंगे! उनकी यह बात सीजेपी के आने वाले देशव्यापी अभियान 'स्कूल ठीक करो' की ओर इशारा थी, जिसे स्वतंत्रता दिवस पर शुरू किया जाना है। ये घटनाक्रम तब सामने आया जब दिपके ने पिछले महीने दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए छात्र विरोध प्रदर्शनों की तर्ज़ पर एक और विरोध प्रदर्शन की घोषणा की, जिसे उन्होंने जंतर-मंतर का सीज़न 2 कहा।

भारत-अफगान में सितंबर में होगी 3 मैचों की टी20 सीरीज

» इस एलान से बांग्लादेश को भारत के साथ सितंबर में प्रस्तावित सीरीज की उम्मीदों को लगा झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम सितंबर में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। बीसीसीआई व अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को संयुक्त बयान जारी कर सीरीज की घोषणा की। सीरीज के तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला टी20 13 सितंबर, दूसरा 15 सितंबर और तीसरा मुकाबला 17 सितंबर को होगा। यानी भारत और अफगानिस्तान के बीच पूरी टी20 सीरीज पांच दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी।

इस एलान के साथ ही बांग्लादेश की भारत के खिलाफ सितंबर में प्रस्तावित लंबे समय से लंबित सफेद गेंद की सीरीज की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय सीरीज पिछले साल टल गई थी। बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के कारण दोनों टीमों के बीच प्रस्तावित सीरीज को स्थगित करना पड़ा था। इसके बाद बांग्लादेश ने सितंबर में भारत के खिलाफ सीरीज की मेजबानी का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, अब सितंबर के लिए भारत का कार्यक्रम अफगानिस्तान के खिलाफ तय हो गया है। ऐसे में बांग्लादेश की उस सीरीज को लेकर उम्मीदें लगभग खत्म होती नजर आ रही हैं। बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने कहा कि बोर्ड अफगानिस्तान में क्रिकेट के विकास को समर्थन देने और उसके खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर खेलने के मौके देने के लिए प्रतिबद्ध है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मिरवाइस अशरफ ने इस सीरीज को अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भारत में द्विपक्षीय सीरीज खेलना दोनों बोर्ड के बीच लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित

कोलंबो। भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के लिए श्रीलंकाई टीम का एलान हो गया है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने मैच के लिए 16 सदस्यीय टीम का एलान किया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज निरोसन डिकवेला करीब तीन साल बाद श्रीलंका की टेस्ट टीम में लौटे हैं। श्रीलंका के स्क्वॉड में अनकैप्ड ऑफ स्पिनर केशरा नुवांथा और अनकैप्ड टॉप ऑर्डर बल्लेबाज पसिंदु सूरियाबंदर को भी जगह मिली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका की भी टीम में वापसी हुई है, जिन्होंने अब तक सिर्फ एक टेस्ट खेला है। वहीं, कुसल मेंडिस और पाथुम निसांका फिलहाल पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। मेंडिस हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। वहीं पाथुम निसांका भी कलाई की सर्जरी से उबर रहे हैं। श्रीलंका ने घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए चार विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों को टीम में शामिल किया है। ऑलराउंडर मिलान रत्नायके के रूप में टीम के पास पांचवां सीम गेंदबाजी विकल्प भी मौजूद है। श्रीलंका ने तीन विशेषज्ञ स्पिन विकल्प चुने हैं। बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या टीम के प्रमुख स्पिनर हैं।

हंगामे में धुल गया संसद का मानसून सत्र

अंतिम दिन भी नहीं चला सदन, दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, विपक्ष अपनी मांग पर अड़ा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा का मॉनसून सत्र विपक्षी हंगामे के बीच अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया, जो नीट पेपर लीक और छात्र आंदोलन पर गतिरोध के कारण बाधित रहा। कार्यवाही राष्ट्रगीत (वंदे मातरम) के गान के साथ संपन्न हुई, जिसमें पीएम मोदी और अमित शाह जैसे प्रमुख नेता मौजूद थे। स्पीकर ओम बिरला ने सत्र की कार्यवाही पर समापन भाषण नहीं दिया।

गुरुवार को लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई, जिससे मॉनसून सत्र समाप्त हो गया। यह सत्र विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई और अन्य मुद्दों पर विपक्ष के लगातार विरोध और हंगामे के बीच संपन्न हुआ। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही राष्ट्रगीत के सभी छह पद बजाए गए, जिसके बाद स्पीकर ओम बिरला ने सदन को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया। जब सदन की संक्षिप्त बैठक हुई, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह वहां मौजूद थे।

स्पीकर ने सत्र के दौरान सदन के कामकाज और उत्पादकता पर पारंपरिक समापन भाषण नहीं दिया। बिरला ने विपक्ष के सदस्यों से सत्र के दौरान बहस में भाग लेने की बार-बार अपील की थी। हालांकि, विरोध और नारेबाजी जारी रही, जिसके कारण सदन की कार्यवाही बार-बार स्थगित करनी पड़ी। गुरुवार को भी, सदन स्थगित होने से पहले विपक्ष के सदस्यों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

दिन की शुरुआत स्पीकर ओम बिरला के सदस्यों से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के सम्मान में खड़े होने के आग्रह के साथ हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी सदन में मौजूद थे। गीत के गायन के तुरंत बाद स्पीकर ने घोषणा की कि लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित की जा रही है।

राहुल गांधी मानसून सत्र बर्बाद करने के लिए जिम्मेदार : मनन

भाजपा सांसद मनन कुमार मिश्रा ने संसद के मानसून सत्र की कार्यवाही बाधित होने के लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, इसके लिए अकेले राहुल गांधी जिम्मेदार हैं। उन्होंने लोकतंत्र और संसद का मजाक बना दिया है। उन्होंने कहा कि अमेठी की जनता को यह सोचकर पछतावा हो रहा होगा कि उन्होंने ऐसे सनकी व्यक्ति को क्यों चुना। उनके मुताबिक, राहुल गांधी ने पूरा मानसून सत्र बर्बाद कर दिया। मनन कुमार मिश्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी किसी भी चर्चा में हिस्सा नहीं लेना चाहते। इसके बजाय वह सदन से दूर रहकर संसद के बाहर हंगामा और भ्रम पैदा करना पसंद करते हैं।

विपक्ष ने संसद का समय और जनता का पैसा बर्बाद किया : दामोदर

भाजपा सांसद दामोदर अग्रवाल ने विपक्ष पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है और हर सवाल का जवाब देने को तैयार है, तब विपक्ष न तो सदन में मुद्दे उठाता है और न ही लोकसभा अध्यक्ष को लिखित अनुरोध देता है। इसके बावजूद विपक्ष सड़कों पर खड़े होकर अपनी मांगें उठाता है। उन्होंने कहा, यह न तो लोकतंत्र की परंपरा है और न ही संसदीय व्यवस्था। कानून, प्रक्रिया और नियमों की परवाह किए बिना लोकसभा इस तरह नहीं चल सकती। अग्रवाल ने कहा कि विपक्ष के नेता और उनकी पार्टी ने जो अराजकता पैदा की, उसके लिए वे जिम्मेदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस वजह से देश की जनता का समय और पैसा बर्बाद हुआ।

जारी रहा विपक्ष का विरोध

आज सुबह 11 बजे सत्र की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी सांसदों ने मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया। 21 जुलाई को शुरू हुए संसद के मानसून सत्र के दौरान दोनों सदनों में बार-बार कामकाज में रुकावटें आईं। विपक्ष ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के साथ कथित पुलिस बर्बरता और अयोध्या राम मंदिर चंदे से जुड़े विवाद जैसे मुद्दों पर चर्चा की मांग की थी।

कुल 37 घंटे 49 मिनट चली राज्यसभा

राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इस बीच सदन कुल 37 घंटे 49 मिनट चली। नीट से जुड़ी कथित गड़बड़ियों, दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस की कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावे समेत कई मुद्दों को लेकर हंगामा हुआ। सत्र के ज्यादातर समय सरकार और विपक्ष के बीच टकराव बना रहा। कई विधेयक बिना चर्चा के पारित हुए।

मानसून सत्र में भाजपा सरकार का अहंकार सामने आया : डिंपल

समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर बहुत अहंकारी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संसद के मानसून सत्र के दौरान सरकार ने लोगों की आस्था से जुड़े मुद्दों और देश के युवाओं की चिंताओं को नहीं माना। सत्र की समीक्षा करते हुए डिंपल यादव ने कहा कि देश में यह संदेश गया है कि सरकार ने युवाओं से जुड़े मुद्दों और आस्था से जुड़े मामलों को नजरअंदाज किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी की घटना को लेकर भी भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर इतनी बड़ी घटना दो साल तक चलती रही और उसे न तो माना गया और न ही सामने लाया गया, तो आज भाजपा और उसके सहयोगी जरूर कटघरे में हैं। डिंपल यादव ने भाजपा पर भगवान राम के नाम पर वोट मांगने और लोगों को बांटकर सत्ता में बने रहने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने मुद्दों का समाधान करने के बजाय उन्हें दबाना ज्यादा पसंद किया।

चढ़ावे की रक्षा के लिए प्राचीन हनुमान मंदिर जाएंगे वरिष्ठ सदस्य

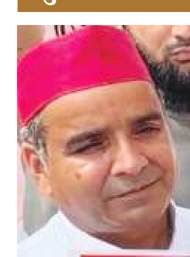

सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा, वरिष्ठ सदस्यों ने तय किया है कि हम कनॉट प्लेस के प्राचीन हनुमान मंदिर जाएंगे। भगवान हनुमान, भगवान राम के लिए दिए गए चढ़ावे की रक्षा करेंगे।

कावेरी विवाद पर कर्नाटक बंद

कई संगठनों का राज्यव्यापी प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। कावेरी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर गुरुवार को कर्नाटक में राज्यव्यापी बंद बुलाया गया है। इस दौरान कोप्पल में लोगों ने अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने तमिलनाडु नंबर के ट्रकों के चालकों को गुलाब दिए। उन्होंने चालकों से कहा कि कावेरी का पानी छोड़ने को लेकर जारी विवाद के बीच कर्नाटक को उकसाने की कोशिश न करें।

» तमिलनाडु से बस सेवा जारी

यह प्रदर्शन कोप्पल तालुक के हिटलनाल टोल गेट पर हुआ। यह जगह राष्ट्रीय राजमार्ग पर है। कर्नाटक बंद के तहत करवे युवा सेना के नेता विजयकुमार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने तमिलनाडु नंबर के ट्रकों को रोका। प्रदर्शनकारियों ने ट्रक चालकों से भिड़ने के बजाय उन्हें गुलाब दिए। यह गुलाब देना एक प्रतीकात्मक तरीके से विरोध जताने का हिस्सा था। फूल देते हुए विजयकुमार ने ट्रक चालकों से कहा, हम शांति पसंद करने वाले लोग हैं। हमें उकसाने की कोशिश न करें। प्रदर्शनकारियों ने तमिलनाडु सरकार के खिलाफ नारे भी लगाए। उन्होंने कावेरी जल नियमन समिति यानी सीडब्ल्यूआरसी के एक निर्देश का विरोध किया। इस निर्देश में कर्नाटक को 15 दिनों तक तमिलनाडु के लिए 12 हजार क्यूसेक पानी छोड़ने को कहा गया है। प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए- फूल ले लो, पानी मत मांगो। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शन में दखल दिया। पुलिस ने प्रदर्शन के आयोजकों को हिरासत में ले लिया और अपने साथ ले गई। कोप्पल में हुआ यह प्रदर्शन 13 अगस्त को कर्नाटक ओकुटा संगठन की ओर से बुलाए गए राज्यव्यापी बंद का हिस्सा था। यह बंद सीडब्ल्यूआरसी के पानी छोड़ने के निर्देश के विरोध में बुलाया गया था।

पंजाब में सड़क हादसे में आप के तीन कार्यकर्ताओं की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हलवारा (पंजाब)। रायकोट-जगरांव रोड पर गांव बस्सियां के पास बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब सवा एक बजे एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पानी से भरे तालाब में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि कार में सवार पांच लोगों में से तीन की मौत हो गई, जबकि दो लोग बाल-बाल बच गए। मृतकों की पहचान बलकार सिंह, विशाल और संदीप के रूप में हुई है।

तीनों के आम आदमी पार्टी से जुड़े होने और पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के करीबी साथी होने की जानकारी सामने आई है। जानकारी के अनुसार, पांचों लोग नकोदर से कार में सवार होकर दिड़बा क्षेत्र की ओर लौट रहे थे। बस्सियां के पास मोड़ पर तेज रफ्तार कार चालक के नियंत्रण से बाहर हो गई और सड़क किनारे स्थित पानी से भरे तालाब में गिर गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंच गए। काफी मशक्कत के बाद कार और उसमें फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। तीन लोगों की मौत हो चुकी थी, जबकि दो अन्य को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल जगरांव में रखवा दिए हैं। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है प्रारंभिक तौर पर हादसे की वजह कार की तेज रफ्तार और मोड़ पर नियंत्रण बिगड़ना बताई जा रही है। हालांकि पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही हादसे की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

झारखंड में छात्रों का आंदोलन जारी

» आंदोलनकारी बोले-सीबीआई जांच से कम कुछ मंजूर नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। जेपीएससी व जेएसएससी समेत विभिन्न मांगों को लेकर रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में चल रहा छात्र आंदोलन गुरुवार को 20 वें दिन भी जारी है। आंदोलनकारी छात्र भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच समेत अपनी मांगों को लेकर लगातार धरने पर बैठे हैं। 10 अगस्त को छात्रों ने विधानसभा के बाहर भी दिनभर प्रदर्शन किया था। वहीं, आंदोलन के दौरान अनशन पर बैठे छात्र प्रेम नायक ने कहा कि उनका अनशन 11वें दिन में पहुंच गया है और सरकार की ओर से मांगें स्वीकार किए जाने तक आंदोलन जारी रखने का फैसला लिया गया है।

छात्र प्रदर्शनकारी प्रेम नायक ने कहा कि आज उनके अनशन का 11वां दिन और छात्रों के समग्र आंदोलन का 20 वां दिन है। उन्होंने दावा किया कि उनकी स्वास्थ्य स्थिति लगातार बिगड़ रही है और डॉक्टरों ने उन्हें अनशन समाप्त करने की सलाह दी है। हालांकि, छात्रों का कहना है कि सरकार उनकी मांगों को स्वीकार नहीं कर रही है, इसलिए अनशन समेत आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया गया है। प्रेम नायक ने कहा कि अनशन पर बैठे छात्रों ने डॉक्टरों से स्पष्ट कर दिया है कि सरकार की ओर से मांगें पूरी किए जाने तक वे अनशन समाप्त नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन की ओर से बीती रात आंदोलन स्थल का दौरा किया गया था और अधिकारियों के रवैये में कुछ नरमी दिखाई दी, लेकिन आंदोलनकारियों का आरोप है कि प्रशासन अभी धरना स्थल खाली कराने का प्रयास कर रहा है।

प्रेम नायक ने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से आंदोलनकारियों को किसी भी तरह हटाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छात्र अपनी मांगों को लेकर पीछे हटने के लिए तैयार नहीं हैं। उनके मुताबिक, आंदोलनकारियों ने डॉक्टरों से भी कहा है कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लेती, तब तक अनशन जारी रहेगा।

जेएलकेएम नेता देवेंद्र महतो ने धरना स्थल पर जाने की इजाजत मांगी

झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ आंदोलन कर रहे जेएलकेएम नेता देवेंद्र महतो ने रांची के सिविल सर्जन को पत्र भेजकर जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम स्थित धरना स्थल पर जाने की इजाजत मांगी है। पिछले 11 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे महतो की तबीयत विधानसभा मार्च के दौरान बिगड़ने पर उन्हें सोमवार को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया कि अस्पताल के बिस्तर पर उनका इलाज चल रहा है, लेकिन उनकी आत्मा सत्याग्रह स्थल पर छात्रों के संघर्ष के साथ है। भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में पिछले 11 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे और यहां के सदर अस्पताल में इलाज करा रहे झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के नेता देवेंद्र महतो ने बुधवार रात रांची के सिविल सर्जन को पत्र लिखकर जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम स्थित विरोध स्थल पर लौटने की अनुमति मांगी। झारखंड विधानसभा तक प्रदर्शनकारी छात्रों के मार्च में शामिल होने के बाद स्वास्थ्य बिगड़ने पर जेएलकेएम नेता को सोमवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रांची के सिविल सर्जन को लिखे अपने पत्र में महतो ने कहा कि अपने अधिकारों के लिए आंदोलन कर रहे हजारों छात्र इस लड़ाई में उनके साथ खड़े हैं और यह उनके लिए न केवल एक विरोध प्रदर्शन है, बल्कि एक जिम्मेदारी और उम्मीद का जरिया भी है।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 । Email : daily4pm@gmail.com ।website: www.4pm.co.in ।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा

॥ जय हिंद ॥
15TH अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम सब मिलकर देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए संकल्प लें।
जय हिंद!
नदीम खान
ग्राम प्रधान रैनापुर
विकासखण्ड नवाबगंज
उन्नाव, उत्तर प्रदेश

15 AUGUST
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
आइए, हम सब मिलकर देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए संकल्प लें और भारत को और अधिक सशक्त बनाएं।
SEA HAWK ENTERPRISES PVT. LTD.
एम डी
ज्ञानेंद्र प्रधान
ग्राम सेरौतो सोहरामऊ, उन्नाव
CIN : U51109UP2021PTC152891
GSTIN : 09ABICS9449B1ZK
IEC : ABICS9449B
MSME Reg. No. : UDYAM-UP-59-0053061
+91 9235202977
seahawkenterprisespvt@gmail.com
www.seahawkenterprises.com

समस्त देशवासियों को
15TH AUGUST
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
गुड्डू साहू (पूर्व प्रधान)
उमेश कुमार रावत (प्रधान)
ग्राम जैतीपुर
विकासखंड नवाबगंज, उन्नाव

हमारा देश समृद्ध होता रहे और स्वतंत्रता के अनेक वर्ष मनाता रहे।
सभी को
80 स्वतंत्रता दिवस
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
समाधान पैथोलॉजी एंड डायग्नोस्टिक सेंटर
सिकौली रोड, महमूदाबाद, सीतापुर।
सुविधाएं
अल्ट्रासाउंड
डिजिटल एक्स-रे
सीटी स्कैन
सभी प्रकार की पैथोलॉजी जांचें
सटीक जांच
विश्वसनीय परिणाम
संचालक :
दीपक वर्मा

सेवा ही संकल्प
संगठन ही शक्ति
एक भारत
श्रेष्ठ भारत
युवा भाजपा नेता
प्रधान निबहरी
विकासखण्ड नवाबगंज उन्नाव
जन सेवा
संकल्प
समर्पण
विकास
साथ आएं, देश बनाएं

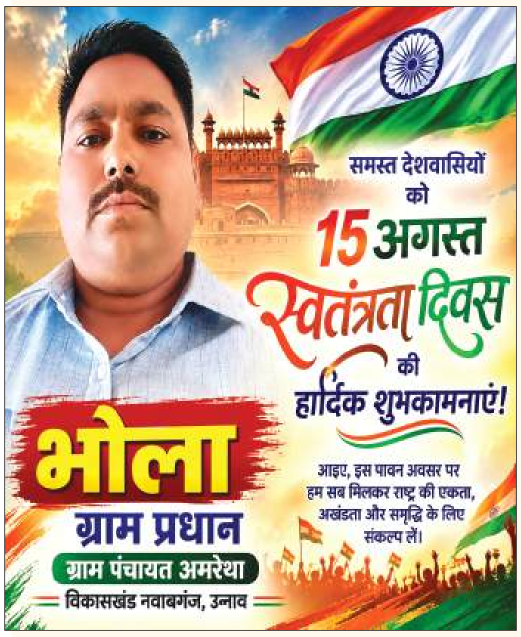
समस्त देशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं!
आइए, इस पावन अवसर पर हम सब मिलकर राष्ट्र की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए संकल्प लें।
भोला
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत अमरेथा
विकासखंड नवाबगंज, उन्नाव

स्वतंत्रता केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि यह हमारे स्वतंत्र विचार और कर्म की पहचान है।
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं!
आइए, मिलकर संकल्प लें एक सशक्त, समृद्ध और न्यायपूर्ण भारत के निर्माण का।
भुवन द्विवेदी
अधिवक्ता
उच्च न्यायालय, खण्ड पीठ लखनऊ

समस्त देशवासियों को
15TH AUGUST
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
गुड्डू साहू (पूर्व प्रधान)
उमेश कुमार रावत (प्रधान)
ग्राम जैतीपुर
विकासखंड नवाबगंज, उन्नाव

॥ जय हिंद ॥
15th अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
यह पावन दिवस हमें देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए सदैव समर्पित रहने की प्रेरणा देता है।
जय हिंद!
रामचंद्र ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत भैसोरा
विकास खंड नवाबगंज
जनपद उन्नाव, उत्तर प्रदेश

आओ मिलकर देश की शान बढ़ाएं, स्वतंत्रता की ये ज्योति जलाएं।
15TH AUGUST
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
आशीष यादव
ग्राम नथई खेड़ा
विकासखंड नवाबगंज
उन्नाव

॥ जय हिंद ॥
15TH अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम सब मिलकर देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए संकल्प लें।
जय हिंद!
देवेश साहू
(वैष्णवी हॉस्पिटल एंड डायग्नोस्टिक सेंटर)
नवाबगंज, उन्नाव
वैष्णवी हॉस्पिटल एंड डायग्नोस्टिक सेंटर

स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, यह हमारी जिम्मेदारी भी है।
15TH AUGUST
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
आइए, हम सब मिलकर देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए संकल्प लें और भारत को और अधिक शक्तिशाली बनाएं।
छोटू सिंह
युवा भाजपा नेता
ग्राम रसूलपुर, विकासखण्ड नवाबगंज उन्नाव

"आजादी हमारी शान है, इसकी रक्षा हम सबका सम्मान है।"
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
आइए, इस पावन अवसर पर हम सब मिलकर देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए नए संकल्प के साथ आगे बढ़ें।
पूर्व जिलापंचायत सदस्य
टिंकू यादव
ग्राम धनीपुर, विकासखण्ड नवाबगंज उन्नाव

आओ मिलकर देश की शान बढ़ाएं, स्वतंत्रता की ये ज्योति जलाएं।
15 AUGUST
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
यह दिन हमें याद दिलाता है उन वीरों के बलिदान को, आइए हम सब मिलकर देश के विकास और समृद्धि में योगदान दें।
जय हिंद! जय भारत!
Mash Agro Foods Ltd.
शुद्धता, गुणवत्ता और विश्वास हमारा वादा
Plant : Village Bichpari, Tehsil Hasanganj, Pargana Ajgain, Unnao
Corporate Office : 15/7-A, Civil Lines, Kanpur - 208 001 (U.P.) INDIA
E-mail : info.mashagro@gmail.com
Website : www.mashagrofoods.com
Phones : 08400699997, 09506981265, 09336248707

आजादी का अमृत महोत्सव
15TH AUGUST
आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
आइए, इस पावन अवसर पर हम सब मिलकर राष्ट्र की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए संकल्प लें।
चंद्रभान यादव
प्रधान
हसनापुर
विकासखंड नवाबगंज, उन्नाव

आप सभी को
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं!
15 अगस्त
आइए इस पावन अवसर पर देश के
वीर शहीदों के बलिदान को याद करें
और भारत को और अधिक
सशक्त व महान बनाने का संकल्प लें।
समाजवादी पार्टी
सीएल यादव कृष्णा
167 पुरवा विधानसभा उन्नाव
जय हिन्द!

समाजवादी पार्टी
हमारी ताकत हमारी विविधता में है,
हमारा गौरव हमारी एकता में है!
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
अखिलेश यादव
राष्ट्रीय अध्यक्ष
समाजवादी पार्टी
उदय राज यादव
पूर्व विधायक समाजवादी पार्टी
167 पुरवा विधानसभा

सबका साथ, सबका विकास,
सबका विश्वास, सबका प्रयास
विकसित भारत का संकल्प
15th August
80 वें
स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक
शुभकामनाएं
अरुण सिंह (युवा भाजपा नेता)
अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक, उन्नाव

आप सभी को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
15 अगस्त
कुछ नशा तिरंगे की आन का है,
कुछ नशा मातृभूमि की शान का है,
हम लहराएंगे हर जगह ये तिरंगा,
नशा ये हिंदुस्तान की शान का है।
समाजवादी पार्टी
मधुसूदन यादव
सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी
समाजवादी पार्टी उन्नाव।

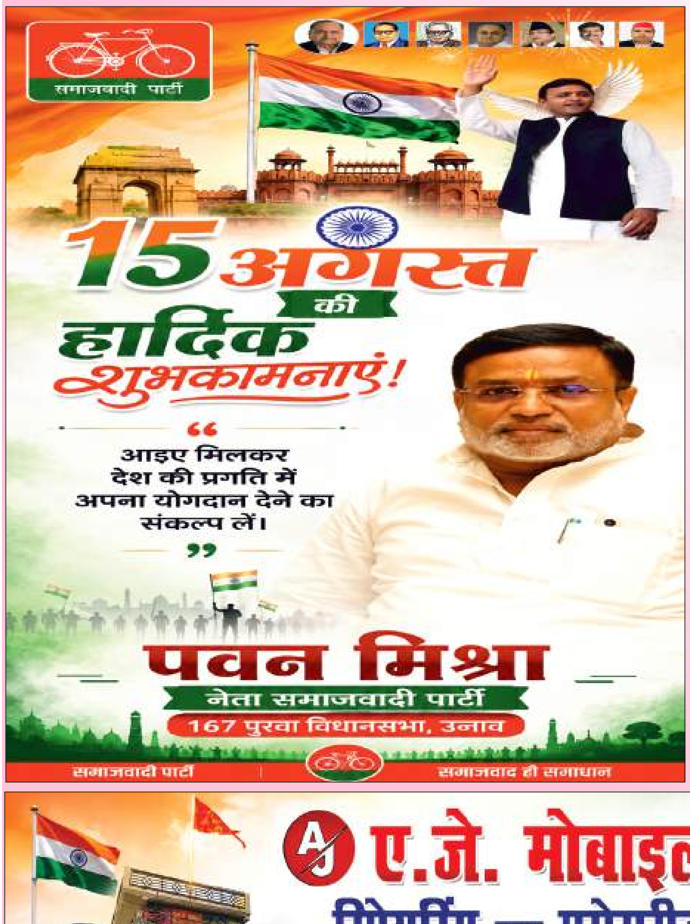
समाजवादी पार्टी
15 अगस्त
की
हार्दिक
शुभकामनाएं!
आइए मिलकर
देश की प्रगति में
अपना योगदान देने का
संकल्प लें।
पवन मिश्रा
नेता समाजवादी पार्टी
167 पुरवा विधानसभा, उनाव
समाजवादी पार्टी
समाजवाद ही समाधान

समाजवादी पार्टी
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
आओ झुककर सलाम करें उन्हें,
जिनके हिस्से में ये मुकाम आता है,
खुशनसीब होता है वो खून,
जो देश के काम आता है।
राजेंद्र लोधी
युवा नेता समाजवादी पार्टी
167 पुरवा विधानसभा, उनाव

BJP
सबका साथ
सबका विकास
सबका विश्वास
सबका प्रयास
यह भूमि हमें जन्म से नहीं,
बल्कि उन वीर योद्धाओं के साहस से
प्राप्त हुई है जिन्होंने इसके लिए
संघर्ष किया।
15 अगस्त
Happy Independence Day
स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएँ!
उत्तम चंद्र लोधी
पूर्व भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी
167 पुरवा विधानसभा, उन्नाव
देश आगे बढ़े
युवा साथ चलें
भारत विकसित बनें

AJ
ए.जे. मोबाइल
रिपेयरिंग एण्ड एसेसरीज
ALL BRANDS & ACCESSORIES
Happy 15th August
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
आओ मिलकर देश को
आत्मनिर्भर बनाएं,
हर भारतीय का यही
संकल्प है!
मोबाइल रिपेयरिंग
हार्डवेयर रिपेयरिंग
एक्सेसरीज
सभी ब्रांड उपलब्ध
हमारे यहां सभी कंपनियों के मोबाइल एवं एक्सेसरीज उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं!
9005005346, 6394565559, 9161050190
पता-निकट सी.एस.सी. सेंटर नवाबगंज, उनाव
★ देश की आज़ादी के वीरों को नमन, उनके सपनों का भारत बनाना हमारा कर्तव्य है ★